ज्ञानामृत

असफलता का मौसम, सफलता के बीज बोने के लिए सर्वश्रेष्ठ समय होता है।

परमहंस योगानंद

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, मंगलवार, 10 फरवरी 2026 | वर्ष- 09 | अंक- 43 | पेज- 08 | मूल्य- 1 रुपए/-

बस्तर पंडुम 2026 : केंद्रीय गृह मंत्री बोले- नक्सलवाद जल्द खत्म होगा

बस्तर की पहचान बारूद नहीं, संस्कृति है तैयार होगा सबसे विकसित संभाग : शाह

विजय मत, ब्यूरो जगदलपुर

अमित शाह ने कहा है कि बस्तर की पहचान बारूद नहीं, उसकी समृद्ध संस्कृति, परंपराएँ और विरासत है। उन्होंने यह बात रविवार को बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम 2026' के समापन समारोह में कही, जहाँ उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि नक्सलवाद को निश्चित समय सीमा में समाप्त किया जाएगा और बस्तर को प्रदेश का सबसे विकसित संभाग बनाया जाएगा। बस्तर पंडुम के मंच से अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि बस्तर की पहचान बारूद और हिंसा से नहीं है, बल्कि उसकी अनूठी संस्कृति, कला और जनजातीय परंपराओं से है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर में आयोजन, खान-पान, गीत-नृत्य, नाटक, वेशभूषा और जनजातीय कला के 12 विधाओं के माध्यम से यहाँ की संस्कृति को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जो इस क्षेत्र की दुनिया में अलग पहचान बनाती है।

नक्सलवाद का अंत और विकास का वादा

शाह ने कहा कि नक्सलवाद अब तेजी से खत्म हो रहा है और निश्चित समय सीमा में पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सलियों से आग्रह करती है कि जो बच गए हैं, वे हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटें, क्योंकि उनका पुनर्वासन सम्मान के साथ किया जाएगा। वहीं उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि जो लोग स्कूल और अस्पताल जलाएंगे या हिंसा करेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे ही नक्सलवाद पूरी तरह खत्म होगा, बस्तर में एडवेंचर पर्यटन, होम-स्टे, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसे पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा, जो रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे।

बस्तर पंडुम का महत्व और इसके प्रभाव

बस्तर पंडुम जैसे आयोजन ने आदिवासी समुदायों को अपनी सांस्कृतिक विरासत और जीवन शैली को पुनर्जीवित करने का अवसर दिया है। शाह ने कहा कि इस बार पंडुम में लगभग 55 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें 12 विधाओं में खान-पान, नृत्य, लोक कला और शिल्प शामिल हैं। यह उत्सव बस्तर के नक्सल-भय से मुक्त होने का भी प्रमाण है

सरकार की प्रतिबद्धता और विकास योजनाएँ

अमित शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बस्तर की संस्कृति को देश-दुनिया के सामने पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि बस्तर में 118 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं यहाँ के पर्यटन संभावनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

बस्तर पंडुम केवल आयोजन नहीं, बस्तर की पहचान का उत्सवः साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर पंडुम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर पंडुम सिर्फ एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की आत्मा और पहचान का उत्सव है। उन्होंने कहा कि माता दंतेश्वरी से ही बस्तर की पहचान जुड़ी है और इसी सांस्कृतिक चेतना को बस्तर पंडुम जीवंत करता है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर के प्रति स्नेह और लगाव के लिए आभार जताते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति ने कलाकारों और स्थानीय लोगों में नई ऊर्जा का संचार किया है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति को देश-दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव में इस वर्ष 54 हजार से अधिक कलाकारों ने भाग लिया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 47 हजार थी। कलाकारों ने लोकनृत्य, गीत, वेशभूषा, खान-पान, शिल्प, बस्तरिया पेय, औषधि चित्रकला, वाद्ययंत्र, नाटक सहित 12 पारंपरिक विद्याओं का प्रदर्शन कर बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बस्तर की पहचान नक्सलवाद नहीं, बल्कि संस्कृति, पर्यटन और संभावनाओं से हो रही है।

सुको ने एसआईआर मामले में सख्ती दिखाई, डेडलाइन एक सप्ताह बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर (स्पेशल इंटेलिजेंस रीजन) से जुड़े मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने इस प्रकरण में पहले तय समय-सीमा का पालन न होने पर नाराजगी जताते हुए जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह की अतिरिक्त मोहलत दी है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर के गठन, उसके अधिकार क्षेत्र, उद्देश्य और संचालन से जुड़े सभी निर्णयों का कानूनी और संवैधानिक आधार हलफनामे के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए। कोर्ट ने कहा कि मामला संवेदनशील है और इसमें केवल मौखिक दलीलों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस दस्तावेजी तथ्य सामने लाने होंगे। मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी, जिसमें कोर्ट डीजीपी द्वारा दाखिल हलफनामे के आधार पर आगे की कार्रवाई तय करेगा।

समय पर जवाब नहीं तो लेंगे एक्शन

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि यदि अगली तारीख तक निर्देशों का पालन नहीं किया गया, तो राज्य सरकार के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि कानून व्यवस्था और खुफिया ढांचे से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद जरूरी है। इससे पहले याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई थी कि एसआईआर के गठन और उसके कामकाज को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं, जिससे संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन की आशंका पैदा होती है। इसी को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने डीजीपी से व्यक्तिगत स्तर पर जवाब मांगा है।

जेल में आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या

फरीदाबाद, एजेंसी

हरियाणा की फरीदाबाद जेल में बंद आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या कर दी गई है। रविवार देर रात जेल में मर्डर केस में बंद अरुण चौधरी उर्फ अब्बू जट नाम के कैदी ने उस पर नुकीली चीज से हमला किया। दोनों को हाई सिक्योरिटी वाली बैरक में एक साथ बंद किया गया था। कत्ल का पता चलते ही जेल अधिकारी बैरक में पहुंचे। इसके बाद आतंकी की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए

भिजवाया गया। 20 साल के आतंकी अब्दुल को गुजरात एटीएस ने मार्च 2025 में पकड़ा था। जांच में पता चला कि वह अलकायदा इन इंडियन सब-कांटिनेंट के कुख्यात आतंकी अबू सूफियान के संपर्क में था। उसने अयोध्या में राम मंदिर उड़ाने की साजिश रची थी। वहीं कत्ल करने वाला कैदी अरुण चौधरी का नाम भी चर्चित अक्षय शर्मा हत्याकांड में आया था। उसे पंजाब में हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 2 साल पहले ही उसे कठुआ जेल से फरीदाबाद की इस नीमका जेल में शिफ्ट किया गया था।

न्यूज इन शॉर्ट

चंद्रयान-4 की तैयारी तेज, चांद के साउथ पोल पर मॉन्स माउटन को लैंडिंग साइट चुना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के महत्वाकांक्षी चंद्र मिशन चंद्रयान-4 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसरो ने मिशन के लिए चंद्रमा के साउथ पोल क्षेत्र में लैंडिंग साइट की पहचान कर ली है। मिशन के

तहत यान को मॉन्स माउटन पहाड़ के पास उतारने की योजना है, जहां से चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने पृथ्वी पर लाए जाएंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार साउथ पोल क्षेत्र में स्थायी छाया वाले इलाके मौजूद हैं, जहां पानी की बर्फ और अन्य महत्वपूर्ण खनिज मिलने की संभावना अधिक मानी जाती है। मॉन्स माउटन पहाड़ चंद्रमा के सबसे ऊंचे क्षेत्रों में शामिल है, जिससे वहां वैज्ञानिक अध्ययन के लिए अनूठे अवसर मिलेंगे। चंद्रयान-4 भारत का पहला सैंपल रिटर्न मिशन होगा। इसमें लैंडर, रोवर और रिटर्न मॉड्यूल शामिल होंगे, जो चंद्र सतह से नमूने इकट्ठा कर उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी तक पहुंचाएंगे।

सेंसेक्स 485 अंक चढ़कर 84,066 पर बंद, निफ्टी में 174 अंकों की मजबूती

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार में सोमवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। सप्ताह के कारोबार में सेंसेक्स 485 अंक की बढ़त के साथ 84,066 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 174 अंक चढ़कर मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। बाजार में यह तेजी

मुख्य रूप से बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आई खरीदारी के चलते दर्ज की गई। कारोबार के दौरान निवेशकों का रुझान बड़े शेयरों की ओर बना रहा। बैंकिंग शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जिससे बैंक निफ्टी में भी अच्छी बढ़त रही। रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई, जिससे बाजार को अतिरिक्त समर्थन मिला। घरेलू आर्थिक हालात में स्थिरता और चुनिंदा शेयरों में निवेशकों की रुचि बढ़ने से बाजार में यह उछाल आया है।

चांदी 2.53 लाख रुपए प्रति किलो पहुंची, सोना भी 2,798 रुपए महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजार में सोमवार को कीमती धातुओं की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली। चांदी के भाव में एक ही दिन में 8 हजार रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे इसकी कीमत बढ़कर 2.53 लाख रुपए प्रति किलो पहुंच गई। हाल के दिनों में उतार-चढ़ाव के बाद आई इस तेजी ने बाजार को

चौंका दिया है। सोने की कीमतों में भी मजबूती दर्ज की गई। सोमवार को सोना 2,798 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ और इसका भाव बढ़कर 1.54 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सकारात्मक संकेत, डॉलर में कमजोरी और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है।

महंगा हुआ परीक्षा शुल्क... 460 से सीधे 800 रुपए हुई बोर्ड परीक्षा की फीस

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए परीक्षा शुल्क में बड़ा इजाफा कर दिया है। करीब पांच साल बाद किए गए इस संशोधन के तहत अब छात्रों को पहले की तुलना में लगभग दोगुनी फीस चुकानी होगी। माशिमं द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार, बोर्ड परीक्षा शुल्क को 460 रुपए से बढ़ाकर 800 रुपए कर दिया गया है। इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में भी अतिरिक्त 70 रुपए शुल्क बढ़ा दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अनुसार, यह फैसला बढ़ती प्रशासनिक लागत, परीक्षा संचालन, उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन, डिजिटल प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। माशिमं अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, तकनीकी रूप से सुदृढ़ और समयबद्ध बनाने के लिए खर्च में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिस कारण शुल्क संशोधन जरूरी हो गया था।

आरबीआई का बड़ा कदम... एमएसएमई को 20 लाख रुपए तक बिना सुरक्षा के लोन की सुविधा

नया सर्कुलर जारी, छोटे उद्योगों को मिलेगा आसान क्रेडिट

नई दिल्ली, एजेंसी

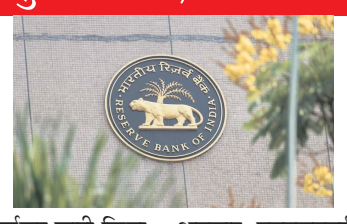

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) के लिए एक महत्वपूर्ण सर्कुलर जारी किया है, जिसके तहत अब छोटे उद्यम 20 लाख रुपए तक के लोन बिना कोई कोलेट्रल (संपार्श्विक सुरक्षा) रखे प्राप्त कर सकेंगे। इस फैसले का लक्ष्य एमएसएमई के क्रेडिट तक आसान पहुंच को सुनिश्चित करना और उनके वित्तीय बोझ को कम करना है। आरबीआई के अनुसार, एमएसएमई कारोबारों को अब बैंक से सीधे कोलेट्रल-फ्री लोन मिल सकेगा, जिससे वे अपना उत्पादन, व्यापार विस्तार और संचालन खर्च को बेहतर ढंग से संभाल सकेंगे। यह व्यवस्था उन छोटे उद्योगों के लिए विशेष रूप से लाभदायक होगी, जिनके पास सुरक्षा (संपत्ति) साबित करने के लिए नहीं है, परंतु उन्हें पूंजी की आवश्यकता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह निर्णय छोटे उद्यमों को सस्ती और सुगम वित्तीय उपलब्धता प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। इससे न केवल नई नौकरियों के सृजन में मदद मिलेगी, बल्कि स्थानीय उत्पादन, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

सदन में पीएम-केयर्स और एनडीएफ पर सवालों को नहीं किया जाएगा स्वीकार

ये प्रश्न संसदीय नियमों के दायरे में नहीं आतेः पीएमओ

नई दिल्ली, एजेंसी

संसदीय मामलों में जारी विवाद के बीच प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक अहम फैसला लिया है। पीएमओ ने स्पष्ट किया है कि पीएम-केयर्स फंड, पीएम नेशनल रिलीफ फंड (पीएमएनआरएफ) और नेशनल डिफेंस फंड (एनडीएफ) से जुड़े प्रश्न लोकसभा और राज्यसभा में स्वीकार्य नहीं होंगे, क्योंकि ये संसदीय नियमों के दायरे में नहीं आते हैं। पीएमओ के इस निर्देश को संसद सचिवालय को भेजा जा चुका है, जिसके बाद इन विषयों पर पूछे गए प्रश्नों को संसदीय कार्यवाही में शामिल नहीं किया जाएगा। संसदीय नियमों के मुताबिक, उन मामलों पर ही प्रश्न स्वीकार किए जाते हैं जो सरकारी विभागों, नीतियों या सरकारी कार्यक्रमों के प्रत्यक्ष कार्यान्वयन से जुड़े हों।

राहुल को बोलने नहीं दिया गया यह लोकतंत्र नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में उस समय मचे हंगामे के बीच जब कांग्रेस ने दावा किया कि राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया, पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा कि यह लोकतंत्र नहीं है जहां विपक्ष के नेता को अपने विचार प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं दी जाती है। मीडिया से बात करते हुए प्रियंका ने जोर देकर कहा कि यह ÷हास्यास्पद÷ है कि राहुल गांधी को एक मिनट भी बोलने की अनुमति नहीं दी गई है। प्रियंका गांधी ने कहा, ÷यह बहुत दुख की बात है कि हम सदन (लोकसभा) जाते हैं और बस बाहर आ जाते हैं। विपक्ष के नेता को एक मिनट भी बोलने की अनुमति नहीं दी जाती। यह हास्यास्पद है। यह लोकतंत्र नहीं है। हम यहां किसलिए आते हैं? उन्हें बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए।

ईपीएफओ मार्च-अप्रैल में लॉन्च करेगी नया मोबाइल एप

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जल्द ही अपने खाताधारकों के लिए एक नया और अत्याधुनिक मोबाइल एप लॉन्च करने जा रहा है। जानकारी के अनुसार यह नया एप मार्चङ्कअप्रैल 2026 के दौरान जारी किया जा सकता है। इस एप की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि इसके जरिए कर्मचारी यूपीआई के माध्यम से पीएफ का पैसा सीधे निकाल सकेंगे। फिलहाल इस एप का ट्रायल चरण चल रहा है।

बीजेपी के ये अच्छे दिन आरएसएस की वजह से ही आएः मोहन भागवत

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बीजेपी को लेकर बड़ी लकीर खींच दी है। 2024 के आम चुनाव में तत्कालीन अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि हम आरएसएस के बिना भी चुनाव में जीत सकते हैं। इसे लेकर संघ कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष फैल गया था। अब सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि बीजेपी के ये अच्छे दिन आरएसएस के चलते ही आए हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के लिए आरएसएस ने प्रतिबद्धता दिखाई थी और जिसने इसका साथ दिया, उसे फायदा मिला।

विजय मत एंकर — आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की रफ्तार से रोजगार बाजार में भूचाल, काम की परिभाषा बदलने का दावा

अलर्ट... एक साल में 99% नौकरियां खत्म कर सकता है एआई

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर एक चौंकाने वाली चेतावनी सामने आई है। एआई सुरक्षा और भविष्य की तकनीकों पर काम करने वाले विशेषज्ञ रोमन याम्पोल्स्की ने दावा किया है कि आने वाले केवल एक साल में एआई इंसानों की लगभग 99 प्रतिशत नौकरियों को खत्म कर सकता है। उनका कहना है कि तकनीक की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए अब ऐसा कोई काम नहीं बचता, जिसे मशीनों द्वारा स्वचालित न किया जा सके। विशेषज्ञ का कहना है कि अब तक तकनीक को इंसानों की मदद करने वाला साधन माना जाता था, लेकिन एआई अब सीधे इंसानी श्रम का विकल्प बनता जा रहा है। इसका असर केवल आईटी या डेटा से जुड़े क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उद्योग, सेवा क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासन जैसे लगभग सभी सेक्टर इसकी चपेट में आ सकते हैं।

क्यों जताई जा रही है इतनी बड़ी आशंका

रोमन याम्पोल्स्की के अनुसार, एआई केवल सॉफ्टवेयर तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि रोबोटिक्स और ऑटोमेशन के जरिए वास्तविक दुनिया के कार्यों में भी तेजी से प्रवेश कर रहा है। मशीन लर्निंग और जनरेटिव एआई मॉडल अब मानवीय निर्णय, विश्लेषण और रचनात्मक कार्यों को भी करने में सक्षम होते जा रहे हैं। यदि यही गति बनी रही, तो बहुत कम समय में इंसानी काम अप्रासंगिक हो सकते हैं।

कौन-सी नौकरियां सबसे ज्यादा खतरे में

विशेषज्ञों के मुताबिक, डाटा एंट्री, अकाउंटिंग, कस्टमर सपोर्ट, कंटेंट जनरेशन, अनुवाद, बेसिक प्रोग्रामिंग, फैक्ट्री और वेयरहाउस से जुड़े श्रम कार्य, यहां तक कि विश्लेषण और रिपोर्टिंग जैसे कार्य भी एआई के कारण तेजी से सिमट सकते हैं।

क्या कुछ नौकरियां बच पाएंगी

याम्पोल्स्की का मानना है कि भविष्य में वही काम टिक पाएंगे, जिनमें मानवीय संवेदनाएं, नैतिक निर्णय, सामाजिक संपर्क और गहरी रचनात्मकता की जरूरत होगी। इसके अलावा एआई की निगरानी, सुरक्षा, नियंत्रण और नीति निर्माण से जुड़े क्षेत्र भी रोजगार के नए अवसर दे सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म होती हैं, तो यह केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक संकट भी बन सकता है। इससे बेरोजगारी, आय असमानता, और सामाजिक अस्थिरता जैसी समस्याएं गहराने की आशंका है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

कामाराम में दोरला समाज की ब्लॉक स्तरीय पटेल- पुजारी चर्चा परिचर्चा सम्मेलन संपन्न

दोरला समाज के नियमों का उल्लंघन करने पर आर्थिक दंड सहित समाज से निष्काशित

विजय मत, बालोद

ग्राम पंचायत कामाराम में दोरला समाज द्वारा ब्लॉक स्तरीय पटेल-पुजारी चर्चा परिचर्चा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में कामाराम जोन अंतर्गत समाज को मजबूत बनाने के उददेश्य से नए युवाओं को सामाजिक दायित्वों के अनुसार मनोनीत किया गया। साथ ही समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखने के लिए लगातार सामाजिक बैठकों के आयोजन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक का मुख्य उददेश्य उन लोगों को फिर से समाज की मुख्यधारा से जोड़ना बताया गया, जो अपनी मूल संस्कृति, रीति-रिवाज और रहन-सहन को छोड़कर अन्य धर्मो की ओर जा रहे हैं या पलायन कर रहे हैं। ऐसे लोगों को रोकने और समाज की मूल पहचान को सुरक्षित रखने के लिए समाज के पूर्वजों, वरिष्ठजनों और जानकार व्यक्तियों को आमंत्रित कर उनसे विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में विस्तार से चर्चा की गई कि दोरला समाज की मूल संस्कृति क्या है, हम उससे क्यों दूर होते जा रहे हैं और इसे दोबारा कैसे अपनाया जा सकता है। समाज को एकजुट कर लगातार चर्चा के माध्यम से अपनी पहचान को समझने और आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में समाज के लोगों ने चट्टी पार्टी, शादी-ब्याह और मृत्यु संस्कार जैसे सामाजिक आयोजनों में डीजे और अंग्रेजी शराब, एक ही सरनेम के लड़का लड़की शादी करते है तो सामाजिक आर्थिक दंड सहित समाज से निष्काशित करने का फैसला लिया। इस पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज में इन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाएगा और पारंपरिक नियमों को फिर से सख्ती से लागू किया जाएगा। समाज के नियमों का विरोध करने या पालन नहीं करने वालों पर सामाजिक और आर्थिक दंड लगाने का भी निर्णय लिया गया। इन फैसलों की जानकारी समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

बॉक्स के अंदर फोटो कैप्शन में : अंतरराज्यीय समाज के पदाधिकारी सहित युवा प्रकोष्ठ

इस सम्मेलन में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में दोरला समाज के लोग शामिल हुए। समाज के पदाधिकारियों द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में बैठकें कर समाज में लगाए गए प्रतिबंधों और नियमों की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में संभागीय संरक्षक नरेंद्र बुर्का, संभागीय सचिव सोडी जोगा, विशेष अतिथि सोडी मुत्ता, मड़कम कन्ना, सोयम नागेश, सोयम भीमा, मड़कम मुदराज, करतम लच्छा अध्यक्ष, करतम रोशन, मुख्य अतिथि रव्वा रामा, कोया समाज कार्यकारिणी सदस्य मलकानगिरी, मोटटूम रमेश युवा प्रभाग अध्यक्ष, मड़कम चलपतरी, गोलापल्ली जॉन अध्यक्ष, मीडियम कामा, एलमागुंडा जोन अध्यक्ष बाडसे चंद्रा, सलवम दीपक युवा प्रभाग अध्यक्ष, मड़कम मुकेश उपाध्यक्ष, मड़कम एंका, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष लक्ष्मी कोर्राम, मोडियम चिलका सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

श्री श्री बालाजी कल्याण महोत्सव मनाया गया

विजय मत, किरंदुल

लौहनगरी किरन्दुल श्री राघव मंदिर परिसर में स्थित बालाजी मंदिर मे बालाजी भगवान का सुप्रभात सेवा, मंगलाशासनम, स्वामी अलंकार के बाद सुदर्शन हवन व बालाजी भगवान का सामूहिक कल्याणम हुआ। विवाह पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम में एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण, सपत्नीक पूजा अर्चना किए। जिसके बाद दोपहर 01 बजे से मंदिर परिसर में अन्नदान भंडारा का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में परियोजना के अधिकारी कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष गणपत नायडू, सचिव जी सन्मुख राव एवं अन्य श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

मल्लखंब के नन्हे वीरों ने राष्ट्रपति के समक्ष दिखाई अदभुत कला, राष्ट्रपति मुर्मु ने की प्रशंसा

विजय मत/जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल और लंबे समय तक संघर्षों के लिए पहचाने जाने वाले अबूझमाड़ ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम के शुभारंभ समारोह में अबूझमाड़ मल्लखंब एंड स्पोर्ट्स एकेडमी के नन्हे खिलाड़ियों ने देश की सर्वोच्च संवैधानिक पदाधिकारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष मल्लखंब की अदभुत प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह पहला अवसर था जब अबूझमाड़ क्षेत्र के बच्चों ने एक साथ राष्ट्रपति के समक्ष मल्लखंब का जीवंत और साहसिक प्रदर्शन किया। लकड़ी के खंभे पर जब इन नन्हे कलाकारों ने असाधारण संतुलन, फुर्ती और कठिन करतबों का प्रदर्शन किया, तो मैदान में मौजूद दर्शक विस्मय से भर उठे। जोश, अनुशासन और उत्कृष्ट तकनीक से सजी इस प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भावविभोर कर दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु स्वयं बच्चों की प्रतिभा से अत्यंत प्रभावित हुईं। उन्होंने न केवल उनके साहस, कला और अनुशासन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी प्रदान कीं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की नींव नारायणपुर जिले के उन दुर्गम और बीहड़ इलाकों में पड़ी है, जहां बुनियादी सुविधाएं सीमित हैं। कुटूर, करपा और परपा जैसे सुदूर वनांचलों से निकलकर इन बच्चों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा न तो संसाधनों की मोहताज होती है ।

कलेक्टर ने किया सुलेंगा, मड़ागड़ा व कन्हारगांव के आश्रम, छात्रावास, स्कूल व स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण

व्यवस्थाओं की समीक्षा कर भवन मरम्मत व आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने दिए निर्देश

विजय मत, नारायणपुर

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन ने सुलेंगा, मड़ागड़ा एवं कन्हारगांव में स्थित आश्रम, छात्रावास, स्कूल तथा स्वास्थ्य केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत सुलेंगा बालक आश्रम छात्रावास से की गई, जहां कलेक्टर ने बच्चों के आवासीय कक्ष, शौचालय, पेयजल, रसोई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छात्रावास अधीक्षक द्वारा नए भवन, बिस्तर-गद्दा एवं प्यून की मांग रखी गई, जिस पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत को प्राक्कलन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर में निर्माणाधीन शौचालय को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए।

इसके पश्चात कलेक्टर ने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सुलेंगा का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने गर्भवती महिलाओं से संवाद कर केंद्र के सेवाओं की जानकारी ली तथा उपस्थित आरएचओ से मरीजों की स्थिति, सामान्य बीमारियों एवं दवाइयों की

उपलब्धता पर चर्चा की। स्टाफ द्वारा भवन मरम्मत की मांग किए जाने पर संबंधित अधिकारी को आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर नम्रता जैन ने सुलेंगा के प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों का अवलोकन कर छात्रों की संख्या, शिक्षकों की उपस्थिति, भवन की स्थिति, पेयजल एवं शौचालय सुविधाओं की जानकारी ली। परिसर में निर्माणाधीन शौचालय भवन को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर पढ़ाई एवं स्कूल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर दो बालिकाओं ने गोंडी भाषा में मधुर गीत प्रस्तुत किया, जिससे प्रसन्न होकर कलेक्टर ने बच्चों की सराहना की तथा सभी विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित की। इसके पश्चात उन्होंने मड़ागड़ा एवं कन्हारगांव के विद्यालयों का भी निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को सुधारात्मक निर्देश दिए।

शादी-विवाह में मालवाहकों पर भरकर ढोई जा रही सवारियां, अगला हादसा किसकी बारी

विजय मत, कवर्धा

जिले के पंडरिया क्षेत्र में हुए सेमरहा कांड की भयावह यादें लोगों के जेहन से नहीं उतरी हैं। उस दर्दनाक हादसे में कई परिवार पूरी तरह उजड़ गए थे। इसके बावजूद न तो प्रशासन ने सबक लिया, न ही पुलिस तंत्र ने स्थायी रोकथाम की कोई ठोस व्यवस्था की। नतीजा यह हुआ कि अगले ही वर्ष सरोदा डेम के पास एक और वाहन हादसे का शिकार हुआ, जिसमें फिर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

अब जब शादी-विवाह का सीजन चल रहा है, स्थिति और ज्यादा चिंताजनक हो गई है। पैसा बचाने की होड़ में मालवाहक वाहनों का खुलेआम सवारी वाहन के रूप में उपयोग किया जा रहा है। बारात, रिश्तेदार और महिलाएं-बच्चे जान जोखिम में डालकर इन वाहनों में सफर कर रहे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि ऐसे वाहन नगर क्षेत्र, पुलिस थाना और पुलिस कर्मियों के सामने से बेधड़क गुजर रहे हैं, लेकिन न कोई जांच, न चालानी कार्रवाई, न ही सख्ती दिखाई दे रही है। यह स्थिति केवल लापरवाही नहीं, बल्कि कानून की खुली अवहेलना और सिस्टम

की विफलता को दर्शाती है। मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 66 (परमिट का उल्लंघन), 177 (सामान्य दंड), 184 (खतरनाक वाहन चलाना), 194 (अधिक सवारी) एवं 192 (बिना वैध परमिट संचालन) के तहत मालवाहक वाहनों में सवारी ढोना दंडनीय अपराध है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। स्थानीय लोगों का साफ कहना है कि यदि सेमरहा कांड के बाद यातायात नियमों को सख्ती से लागू किया गया होता, तो सरोदा डेम जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। विडंबना यह है कि हर हादसे के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचकर सहानुभूति जताते हैं, लेकिन हादसे से पहले जिम्मेदारी निभाने कोई नजर नहीं आता। अब सवाल सीधे-सीधे प्रशासन और पुलिस व्यवस्था पर खड़े होते हैं– क्या शादी-विवाह सीजन को देखते हुए विशेष यातायात अभियान चलाया जा रहा है। क्या थाना प्रभारियों और यातायात पुलिस की जवाबदेही तय की गई है। या फिर हादसे के बाद औपचारिक बयान और दो मिनट का मौन ही सिस्टम की नीति बन चुका है। जब तक जिम्मेदार अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कबीरधाम की सड़कों पर मालवाहक नहीं, खुलेआम मौत दौड़ती रहेगी, और अगला हादसा किसकी बारी होगा–यह सवाल हर नागरिक के मन में बना रहेगा।

वार्षिकोत्सव में नीलू शर्मा एवं भरत वर्मा ने की शिरकत रामपुर में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

विजय मत, डोंगरगांव

विधानसभा क्षेत्र के रामपुर में शासकीय पुर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला रामपुर के संयुक्त बैनरतले 16 वां वार्षिक उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उक्त समारोह में नीलू शर्मा, अध्यक्ष पर्यटन बोर्ड छगशासन केबिनेटमंत्री दर्जा प्राप्त तथा भरत वर्मा, उपाध्यक्ष जिला सहकारी बैंक मर्यादित राजनांदगांव ने शिरकत कर विद्यार्थियों को मोमेंटो व मेडल प्रदान किया। समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम शिक्षा, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण संबंधित गीत, कविता एवं नृत्य की प्रस्तुति दी। वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्यअतिथि नीलू शर्मा, अध्यक्ष पर्यटन बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन केबिनेटमंत्री दर्जा प्राप्त नीलू शर्मा थे। अध्यक्षता भरत वर्मा, उपाध्यक्ष जिला सहकारी बैंक मर्यादित राजनांदगांव ने की। विशेष

अतिथि मनीष साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव, भूवन साहू मंडल अध्यक्ष अर्जुनी, यतीश सिन्हा सरपंच, यादादास साहू, गौरी रामटेके, समारिक निर्मलकर, दुधेराम साहू, द्वारिका तारम, रुपचंद साहू, बाबुलाल खोब्रागढे, खेमलाल सिन्हा, आनंद भोंडेकर, रामदयाल अरकरा, भागीरथी सिन्हा, संजय सिन्हा, किशन देशमुख एबीओ, जयनंदन साहू तीजन सिन्हा शामिल हुए। इस मौके पर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर शासकीय पुर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला रामपुर के शाला प्रबंधन समिति सदस्यगण, ग्राम समिति सदस्यगण, वार्ड पंचगण, गणमान्य नागरिकगण, पालकगण, ग्रामवासीजन सहित शाला के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था प्रमुख एमडी वाल्दे ने की।

छोटा बूढ़ा, छिंदाही, और आमा तालाब बहा रहा अपने बदहाली पर आंसू

विजय मत, बालोद

बालोद। जिला मुख्यालय के 3 प्रमुख तालाब छोटा बूढ़ा, छिंदाही, और आमा तालाब अपने बदहाली के आंसू बहा रहे है। साफसफाई के अभाव उक्त तालाबो में गंदगी का अंबार है, पानी मटमैला हो चुका है, इतना ही नही तालाब में बनाई गई पचरी में नही गंदगी का ढेर लगा हुआ है। बताया जाता है कई वर्षो से इन तालाबों की सफाई नही की गई है, और न ही जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने ध्यान दिया। नगर पालिका बालोद के वार्ड क्रमांक 20 में स्तिथ छोटा बूढ़ा तालाब बहुत दयनीय स्तिथि में है। तालाब के किनारों में कचरे इकट्ठा हो गए है। तालाब में मछली पालन होता है। तालाब पूरा कमल के पौधों से ढक गया है। जिससे वार्ड वासियों को स्नान करने में परेशानी होती है। तालाब में पानी का भी स्तर कम हो गया। पानी कम होने के कारण स्नान करने से तालाब के तल में बैठे मिट्टी व काई पानी की सतह पर आ जाते है। बता दे कि इस तालाब में नहाने के दो स्थान है। एक में पुरुष स्नान करते है और दूसरे में महिलाएं। दोनों स्नान करने के स्थानों के बीच एक छोटा सा दीवाल बना है। दीवाल छोटा होने के कारण महिलाओ को वस्त्र बदलने में भी परेशानी होती है। वार्ड-20 के ही गहीरापारा में स्तिथ छिंदाही तालाब गंदे पानी से भरा हुआ है। तालाब के पानी का रंग गहरा हरा रंग हो गया है। इस तालाब में साल में एक बार पानी आता है और वह पानी नहर से होकर गली में बने नाली के माध्यम से तालाब में भरता है। पानी तालाब में आने से पहले दूषित हो जाता है। सफाई नही होने से तालाब में कचरे तैरते दिखाई पड़ रहे है। वार्ड 11 में स्तिथ आमा तालाब की स्थिति अत्यंत दयनीय है। आमा तालाब की देख रख नहीं होने के कारण आमा तालाब गंदगियों से भरते जा रहा है। तालाब के किनारों में बहुत सारे कचरे इकट्ठा हो गया है। सीढियों के आसपास जलीय पौधे उग आए है। जल का स्तर कम होते जा रहा है। वार्ड में समय पर नालियों का सफाई नहीं हो रही है। जिससे नाली का गंदा पानी भी तालाब में जा रहा है।

सफाई नही होने से तालाब में कचरे तैरते दिखाई पड़ रहे

वार्ड 20 बूढ़ापारा के विजय तारम, टिकेश नेताम, मनोज नागवंशी, गजेंद्र मालिया ने बताया कि तीन साल पहले गहरीकरण का काम हुआ था, तभी छोटा बूढ़ा तालाब की सफाई हुई थी। उसके बाद तालाब की सफ ई नही हुई है। कमल के पौधों से तालाब पूरा ढक गया है। किनारों में जल का स्तर कम है, जिससे दूर गहरे पानी में नहाने के लिए जाना पड़ता है। पर कमल के पौधों के कारण अच्छे से स्नान करने नहीं होता। तालाब के किनारों में कचरे इकट्ठे हो गए है। उन्होने बताया को तालाब का गहरीकरण हुआ था, पर अच्छे से नहीं हुआ था। गहिरापारा के बीरसिंग यादव, खोमनलाल मलिया ने बताया कि छिंदाही तालाब के किनारे दीवाल नहीं है, जिससे कपड़े बदलने में परेशानी होती है। तालाब का पानी मैला हो गया है। तालाब में साल में एक ही बार पानी भरता है। जिससे तालाब का पानी मैला हो जाता है। साफसफाई नही होने तालाब में कचरे तैरते दिखाई पड़ते है। वार्ड 11 के लोगों ने बताया कि आमा तालाब की सफाई को वर्षों हो गया है। तालाब में कचरे बिखरे पड़े है। तालाब की सफाई कई वर्षों से नहीं हो रही है। नालियों की सफाई के लिए भी 15 दिन, तो कभी महीना बाद आते है। नालियों के गंदगी को निकाल देते है, पर दो तीन दिन बाद कचरे को उठा के ले जाते है।

कुंभ कल्प मेला के आठवें दिन राजिम कुंभ कल्प में उमड़ी ऐतिहासिक भीड़, मेले की बढ़ी रौनक

शासकीय योजनाओं की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

- सुरक्षा के कड़े इंतजाम, सीसीटीवी से चप्पे-चप्पे पर नजर

विजय मत, रायपुर

राजिम कुंभ कल्प मेला की रौनक अपने चरम पर पहुंच गई है। माघ पूर्णिमा 1 फरवरी से प्रारंभ हुए राजिम कुंभ कल्प मेला के आठवें दिन रविवार को त्रिवेणी संगम एवं नवीन मेला मैदान में श्रद्धालुओं और मेलार्थियों का सैलाब उमड़ पड़ा। शनिवार और रविवार को अवकाश होने के कारण अन्य दिनों की तुलना में भीड़ कहीं अधिक रही, जिसकी झलक शनिवार से ही देखने को मिली। देश-प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान कर भगवान श्रीराजीवलोचन एवं पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन किए।

इस दौरान संगम तट से लेकर मेला क्षेत्र तक श्रद्धा, आस्था और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कुंभ कल्प मेला क्षेत्र में त्रिवेणी संगम स्नान, मंदिर दर्शन, लक्ष्मण झूला, मीना बाजार, सांस्कृतिक मंच, मुख्य महोत्सव मंच, संभागीय सरस मेला, चारधाम यात्रा, राम वनगमन पथ, शासकीय स्टॉल, साधु-संतों की कुटिया, यज्ञशाला एवं भोग-भंडारा श्रद्धालुओं के प्रमुख आकर्षण बने रहे। दिनभर हजारों की संख्या में श्रद्धालु मेला क्षेत्र में घूमते नजर आए और जमकर खरीदीदारी भी की।

राजिम कुंभ कल्प मेला तीन जिलों की सीमा क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है। लोमस ऋषि आश्रम के समीप कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर क्षेत्र में धमतरी जिला प्रशासन द्वारा शासकीय स्टॉल लगाए गए हैं, जहां राज्य शासन की लोककल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी दी जा रही है। इसी तरह रायपुर एवं गरियाबंद जिलों द्वारा भी विभिन्न विभागीय प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसे देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पूरे मेला क्षेत्र में एक हजार से अधिक पुलिस बल तैनात किए गए हैं। त्रिवेणी संगम से लेकर नवीन मेला मैदान चौबेबंधा राजिम तक फैले मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर परिसर में भी सीसीटीवी की विशेष व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है।

राजिम कुंभ कल्प के सातवें दिन भक्ति और संस्कृति से सराबोर रहा मुख्य मंच

राजिम कुंभ कल्प के सातवें दिन मुख्य मंच पर भक्ति, संस्कृति और लोककला का अद्भुत संगम देखने को मिला। मनोज राजपूत इंटरटेनमेंट के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को देर रात तक मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत संतोष थापा द्वारा प्रस्तुत जगराता से हुई। पहली प्रस्तुति हे गणपति गणराज तेरी जय हो... से वातावरण भक्तिमय हो गया। तोर चरण म कर्मा माता दिन-रात.. गीत के माध्यम से कर्मा माता की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर दर्शक भक्ति में लीन हो गए। जब संतोष थापा ने हर हर हर हर भोला... और बम बम भोलेनाथ... गीतों की प्रस्तुति दी, तो पूरा मंच शिवमय हो गया। इस अवसर पर मनोज राजपूत द्वारा शिवजी की वेशभूषा में प्रस्तुत की गई आकर्षक झांकी ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इसके बाद झिलझिल ओ झिलझिल ओ बारे हो दिया तोर नाव के, हे शीतला दाई मोर गांव के... गीत पर दर्शक भी झूमते और गुनगुनाते नजर आए।

हानदी की महाआरती से सजा संगम तट

त्रिवेणी संगम में प्रतिदिन भव्य महानदी महाआरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसे गंगा आरती के नाम से भी जाना जाता है। साध्वी प्रज्ञा दीदी के मुखारविंद से प्रतिदिन शाम 7 बजे महाआरती संपन्न हो रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आरती में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कर रहे हैं, जिससे मेला क्षेत्र में धार्मिक वातावरण और अधिक प्रबल हो गया है।

मीना बाजार और सरस मेला में रही भारी भीड़

नवीन मेला मैदान में इस बार दो स्पेशल मीना बाजार लगाए गए हैं, जो मेलार्थियों के लिए विशेष आकर्षण बने हुए हैं। लगभग 8 एकड़ में फैले मीना बाजारों में आकर्षक झूले, क्राफ्ट बाजार, मौत का कुआं, जलपरी शो, जंगल के जानवरों की प्रदर्शनी एवं वैष्णोदेवी झांकी लोगों को खासा लुभा रही है। वहीं आजीविका मिशन के तहत आयोजित संभागीय सरस मेला में बिहान समूह की दीदियों द्वारा शुद्ध एवं ताजा सामग्री का विक्रय किया जा रहा है। जिले के महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। बिहान दीदियों का कहना है कि यह योजना उनके लिए वरदान साबित हो रही है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रही है।

खेल और खिलाड़ियों के लिए मददगार होगा सेंटर : उपमुख्यमंत्री साव

राज्य के एकमात्र अत्याधुनिक स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन सेंटर का उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किया शुभारंभ

विजय मत/रायपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर को खेल जगत में एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य का एकमात्र अत्याधुनिक स्पोर्ट्स परफॉरमेंस एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर अब बिलासपुर में शुरू हो गया है। इस नवनिर्मित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्थित इस सेंटर का भव्य शुभारंभ उप मुख्यमंत्री अरुण साव की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में विधायक सर्व धर्मजीत सिंह, धरमलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि यह केंद्र खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। इससे खिलाड़ियों को एक ही स्थान पर सभी आधुनिक सुविधाएं मिल सकेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरूण साव ने कहा कि इस सेंटर की आवश्यकता और उपयोगिता से खिलाडियों को काफी लाभ मिलेगा। ये खेल और खिलाड़ियों के लिए काफी लाभकारी होगा। अपने शारीरिक क्षमता को समझे बिना किसी खेल में सफलता नहीं मिलती। यह सेंटर खिलाड़ियों को मदद करने का काम करेगा। ये जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह आधुनिक तकनीक से सुसज्जित है, डॉक्टरों की टीम एवं सभी सुविधाएं यहां खिलाड़ियों को मिलेगी। अवीक स्पोर्ट्स खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य के लिए मददगार होगा।

खिलाड़ियों को समर्पित अविक स्पोर्ट्स हेल्थ एंड फिटनेस : अविक स्पोर्ट्स हेल्थ एंड फिटनेस कई वर्षों से खिलाड़ियों के परफॉरमेंस एनहांसमेंट और रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। डॉ. अविनाश जायसवाल के कुशल मार्गदर्शन में यह संस्थान अब तक सैकड़ों खिलाड़ियों को खेल चोटों से उबरने और बेहतर प्रदर्शन की दिशा में निरंतर सहयोग देता आ रहा है। अब अविक स्पोर्ट्स नए स्थान, आधुनिक साज-सज्जा और अत्याधुनिक खेल विज्ञान आधारित तकनीकों के साथ एक नई शुरूआत करने जा रहा है।

सड़क जाम करना कांग्रेस विधायक को पड़ा भारी

File Photo

12 समर्थकों सहित पुलिस ने किया गिरफ्तार

विजय मत, रायपुर

खोखरा से पीथमपुर सड़क निर्माण की मांग को लेकर चक्काजाम करना जांजगीर विधायक व्यास कश्यप और उनके समर्थकों को महंगा पड़ गया। पुलिस ने विधायक व्यास कश्यप सहित उनके दर्जनभर साथियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर सभी को गिरफ्तार किया। हालांकि, मामला जमानती प्रकृति का होने के कारण सभी आरोपियों को जमानत मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

यह कार्रवाई सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत खोखसा ओवरब्रिज पर की गई चक्काजाम की घटना को लेकर की गई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला 30 जून 2025 का है, जब विधायक और उनके समर्थकों ने सड़क की खराब स्थिति को लेकर खोखसा ओवरब्रिज से पीथमपुर मार्ग तक यातायात पूरी तरह बाधित कर दिया था।

एम्बुलेंस रोके जाने से बढ़ा मामला- शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह एक निजी एम्बुलेंस चालक है और 30 जून की शाम करीब 4 बजे वह एम्बुलेंस से मरीज को लेकर अस्पताल जा रहा था। उसे खोखसा ओवरब्रिज के बाईं ओर स्थित नर्सिंग होम जाना था, लेकिन उसी दौरान ग्राम जर्वे (च) के सरपंच और उनके सहयोगियों द्वारा सड़क जाम कर दिया गया। आरोप है कि चक्काजाम कर रहे लोगों ने एम्बुलेंस को बलपूर्वक रोक दिया, जिससे मरीज को अस्पताल पहुंचाने में देरी हुई।

इस घटना से आहत होकर एम्बुलेंस चालक ने सिटी कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 191(2) और 126(2) के तहत अपराध कायम कर विवेचना शुरू की।

जांच के बाद गिरफ्तारी, फिर जमानत- पुलिस विवेचना के दौरान नामजद आरोपियों की भूमिका सामने आने के बाद विधायक व्यास कश्यप सहित कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। चूंकि मामला जमानती धाराओं का था, इसलिए सभी को आवश्यक औपचारिकताओं के बाद जमानत मुचलके पर रिहा कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि चक्काजाम में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

सार समाचार

शहर से नवीन मेला मैदान पहुंचाने दो यात्री बस दे रहे सेवा

विजय मत/रायपुर। कुंभ कल्प मेला में नवीन मेला मैदान चौबेबांधा तक पहुंचने के लिए परिवहन विभाग जिला गरियाबंद द्वारा दो यात्री बस की सुविधा मुहैया कराई गई है। यह सेवा निशुल्क है। दिन भर कई बार आना-जाना कर रहे हैं जिनमें से एक बस राजिम के बस स्टैंड में खड़ी रहती है और दूसरी मेला मैदान में। यह बस लाने का तो काम करते ही हैं साथ में ले जाने के लिए भी यात्रियों का इंतजार करते रहते हैं। बताना होगा कि बस स्टैंड से नवीन मेला मैदान सड़क मार्ग से दूरी तकरीबन ढाई किलोमीटर है जिनके पास खुद के वाहन है वह तो आना-जाना कर पा रहे हैं लेकिन जो पैदल यात्री है उनके लिए प्रशासन ने गंभीरता से विचार किया और बस सुविधा प्राप्त किया है।

बदहाल सड़क के विरोध में कांग्रेसियों ने किया चक्काजाम, 10 दिन में सुधार नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

विजय मत/रायपुर। धरसींवा क्षेत्र में भारी एवं ओवरलोड वाहनों के लगातार आवागमन से जर्जर हो चुकी सड़क अब ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। सड़क की बदहाली और बढ़ती दुर्घटनाओं के विरोध में सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धरसींवा के नेतृत्व में कुथरैल चौक पर कांग्रेसियों ने चक्काजाम कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जानकारी के अनुसार तिवरैया से कुथरैल मोड़ तक मुख्य मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। सड़क पर गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) नहीं होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे आम जनता, स्कूली बच्चों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं मांगों को लेकर बाबा साहेब अंबेडकर चौक, कुथरैल में एक दिवसीय सांकेतिक धरना-प्रदर्शन एवं चक्काजाम किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक अनिता शर्मा ने कहा कि उक्त मार्ग पर लगातार हो रही दुर्घटनाएं चिंता का विषय है। उन्होंने प्रशासन से सड़क की शीघ्र मरम्मत एवं आवश्यक स्थानों पर गति अवरोधक निर्माण की मांग करते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धरसींवा के अध्यक्ष आशीष वर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 10 दिनों के भीतर प्रशासन द्वारा सड़क सुधार एवं स्पीड ब्रेकर निर्माण को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीणों

कैंसर सर्जन्स का रायपुर में राष्ट्रीय सम्मेलन, देश के दिग्गज कैंसर विशेषज्ञों ने बताया उपचार का आधुनिक तरीका

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ ऑकोलॉजी एसोसिएशन, क्षेत्रीय कैंसर संस्थान रायपुर एवं संजीवनी कैंसर केयर फाउंडेशन रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में 7 एवं 8 फरवरी को इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है. छत्तीसगढ़ सहित पूरे मध्य भारत के लिए कैंसर उपचार एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में एक अत्यंत महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन का उद्घाटन विधायक डॉ. राजेश मूणत ने किया.

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से 200 से अधिक राष्ट्रीय स्तर के कैंसर सर्जन तथा छत्तीसगढ़ राज्य से लगभग 300 सर्जन भाग ले रहे हैं. सम्मेलन की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के राष्ट्रीय

अध्यक्ष डॉ. सुब्रमणेश्वर राव एवं महासचिव डॉ. नरेंद्र होलिकल स्वयं रायपुर पहुंचे और कार्यक्रम में सहभागिता की.

सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय स्तर के तीन प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ता भी शामिल हुए हैं, जिनमें एक सिंगापुर से तथा दो दक्षिण कोरिया से आए हुए वरिष्ठ कैंसर सर्जन हैं. सिंगापुर से आए अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कैंसर सर्जन डॉ. जिमी सो ने गैस्ट्रिक कैंसर के आधुनिक उपचार एवं शल्य चिकित्सा प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही नवीन तकनीकों और उपचार पद्धतियों की जानकारी साझा की.

वहीं दक्षिण कोरिया से आए वरिष्ठ कैंसर सर्जन प्रोफेसर ह्वे-जिन किम ने रेक्टल कैंसर में लैटरल पेल्विक लिम्फ नोड डिसेक्शन ङ्क कब और कैसे, तथा कोलोरेक्टल कैंसर में फ्लोरेसेंस गाइडेड सर्जरी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए. इसके अतिरिक्त दक्षिण कोरिया के ही प्रोफेसर सिउंग हो सॉन्ग ने रेक्टल कैंसर सर्जरी के बाद जटिलताओं के जोखिम का मशीन लर्निंग आधारित मूल्यांकन एवं कोलोरेक्टल कैंसर में लैप्रोस्कोपिक बनाम रोबोटिक सहायक सर्जरी (कोलरार अध्ययन) जैसे उन्नत विषयों पर वैज्ञानिक सत्रों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 10 फरवरी को होगा सामूहिक विवाह

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 10 फरवरी 2026 मंगलवार को भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में हजारों नवदंपत्ति वैवाहिक बंधन में बंधेंगे। राज्य के सभी जिलों में एक ही समयावधि में वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले के राजिम स्थित नवीन मेला स्थल पर भी सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में अतिथि के रूप

में राजिम विधायक रोहित साहू, बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनकराम ध्रुव, छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा, राजिम के पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, गरियाबंद जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका राजिम अध्यक्ष महेश यादव, जनपद पंचायत फिंगेश्वर अध्यक्ष इन्द्राणी साहू, जनपद पंचायत छुरा अध्यक्ष मीरा ठाकुर, जनपद पंचायत गरियाबंद अध्यक्ष सोहन ध्रुव, जनपद पंचायत मैनपुर अध्यक्ष मोहना नेताम, जनपद पंचायत देवभोग अध्यक्ष पद्मालया निधि, जिला पंचायत गरियाबंद उपाध्यक्ष लालिमा पारस ठाकुर, म.बा.वि. गरियाबंद सभापति नंदिनी ओंकार साहू, नगर पंचायत फिंगेश्वर अध्यक्ष राजेन्द्र (धनराज) सूर्यवंशी, भाजपा गरियाबंद जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर तथा ग्राम पंचायत चौबेबंधा सरपंच दुलचंद आण्डे के अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों मौजूद रहेंगे।

छत्तीसगढ़ में पहली बार डुआथलॉन 333 का आयोजन, 100 से ज्यादा खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

विजय मत, रायपुर

रविवार 8 फरवरी 2026 को लाभांडी के पास स्थित एक होटल से स्पोर्ट्स एंथूज़ियास्ट एसोसिएशन के सचिव निलेश कटारिया ने बताया कि रायपुर में खेल की दुनिया में पहली बार एक अनोखा चैलेंज डुआथलॉन 333 का सफल आयोजन दिनांक 8 फरवरी, रविवार को रायपुर में हुआ। उल्लेखनीय है कि इस शानदार आयोजन में लगभग 100 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। प्रतिभागी सुबह 5.30 बजे से ही आयोजन स्थल पर इकट्ठा होना प्रारंभ कर दिए थे।

इस शानदार स्पोर्ट्स इवेंट को फ्लैग ऑफ लेट्स रन के संस्थापक डॉ. विनय तिवारी एवं टूर द रायपुर के संस्थापक आशीष पाटनी ने किया। इसके अंतर्गत प्रतिभागी को पहले 3 किलोमीटर की रनिंग करनी थी, उसके तुरंत बाद उन्हें 33 किलोमीटर साइक्लिंग करनी थी। इसके लिए निर्धारित समय दिया गया था। दौड़ने के लिए प्रतिभागी को अधिकतम 45 मिनट मिला। बता दें कि इस डुआथलॉन में 3 ½ दौड़ में सभी खिलाड़ी को होटल तुलिप एरीना से होते हुए जी.ई. रोड के जोरा मॉल के पास पंजाबी तड़का तक जाना था, फिर वापस उसी रोड पर दौड़ते हुए वापस आए। इसके तुरंत बाद खिलाड़ियों ने अपनी साइकिल लेकर 33 ½ की साइक्लिंग के लिए, जिसके लिए उन्हें अधिकतम समय 2 घंटे का समय प्रदान किया गया था, के लिए निकल पड़े। प्रत्येक साइक्लिस्ट को 16.5 किलोमीटर के लिए होटल तुलिप एरीना से ललित महल होते हुए नया रायपुर सेंध लेक के पास सत्य साईं हॉस्पिटल के पास से यू-टर्न लेकर वापस उसी निर्धारित रास्ते से वापसी करनी थी।

'जी-राम-जी' योजना पर हुई विशेष चर्चा

ग्रामीण विकास की नई पहल: पंचायतों में उमड़ा जनसैलाब

विजय मत, रायपुर

कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार के निर्देशन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का संयुक्त आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को रोजगार, आजीविका एवं आवास से जुड़ी विभिन्न जनकल्याणकारी शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा।

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक माह की 7 तारीख को आयोजित होने वाला रोजगार दिवस शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने, सुशासन एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देने तथा ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का एक सशक्त माध्यम है।

रोजगार दिवस के दौरान ग्रामीणों एवं मनरेगा श्रमिकों को विकसित भारत जी-राम-जी योजना के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही ग्राम पंचायतों के सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत एवं संचालित कार्यों की जानकारी मोबाइल के माध्यम से प्राप्त करने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। क्यूआर कोड के माध्यम से योजनाओं की जानकारी सुलभ होने से कार्यों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं विश्वास और अधिक मजबूत हो रहा है।

विकसित भारत जी-राम-जी योजना पर विशेष चर्चा

कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी नरेगा के स्थान पर नवीन योजना विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात विकसित भारत जी-राम-जी के उद्देश्य, स्वरूप एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि इस योजना के तहत रोजगार गारंटी को बढ़ाकर ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का सुनिश्चित रोजगार प्रदान किया जाएगा। साथ ही ग्राम पंचायत विकास योजना, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित निगरानी, बेरोजगारी भत्ता, जल सुरक्षा एवं जल संबंधी कार्यों को प्राथमिकता तथा मूलभूत ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने जैसे प्रावधान शामिल हैं।

20 किलो गांजे के साथ प्रयागराज जा रहा तस्कर गिरफ्तार, दो फरार

विजय मत, रायपुर

रायपुर पासिंग स्विफ्ट कार से 20 किलो गांजा लेकर प्रयागराज जा रहे तस्कर को न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस ने मुखबिर से मिली पर थाने से एक किमी से कम दूरी पर लालपुर ओवरब्रिज के नीचे, केनाल रोड स्थित कुष्ठरोग अस्पताल के पास पुलिस को देख कार में सवार दो व्यक्ति उतरकर फरार हो गए, जबकि ड्राइविंग सीट पर बैठे एक व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम हिमांशु केशरवानी, निवासी प्रयागराज, उत्तर प्रदेश बताया। कार की तलाशी लेने पर उसमें अलग-अलग पैकेटों में कुल 20 किलो से अधिक गांजा रखा था। हिमांशु ने यह भी बताया कि फरार दो साथियों के साथ मिलकर गांजा को कालाहांडी (उड़ीसा) से लाकर रायपुर एवं उत्तर प्रदेश में विक्रय करना बताया गया है।

संस्थापक

श्री रामसिपाही शुक्ल

मोबाइल, मानसिक सेहत और हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी

कांतिलाल मांडोत

> पर सरकार अकेले यह लड़ाई नहीं जीत सकती। घर वह पहली जगह है जहां बच्चे दुनिया को समझते हैं। अभिभावकों की भूमिका निर्णायक है। मोबाइल को पूरी तरह प्रतिबंधित करना व्यावहारिक नहीं, लेकिन स्पष्ट सीमाएं तय करना आवश्यक है। उम्र के अनुसार स्क्रीन टाइम, सोने से पहले स्क्रीन बंद करने की आदत, और सप्ताह में कुछ घंटे 'डिवाइस-फ्री' समय तय करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हैं। इससे भी ज़्यादा ज़रूरी है संवाद। बच्चों से केवल नियम न कहें, उनके अनुभव सुनें। वे क्या देख रहे हैं, क्यों पसंद कर रहे हैं, उससे उन्हें कैसा महसूस होता है।इन सवालों पर खुली बातचीत विश्वास बनाती है।
> अभिभावक स्वयं उदाहरण बनें तो असर दोगुना होता है। यदि घर में बड़े लोग भी हर खाली पल स्क्रीन पर बिताते हैं, तो बच्चों से संयम की उम्मीद करना कठिन है।

गाजियाबाद की घटना ने एक बार फिर समाज को झकझोर दिया है। बच्चों और किशोरों की दुनिया में मोबाइल कैसे चुपचाप केंद्र बनता जा रहा है, यह सवाल किसी एक परिवार या एक शहर तक सीमित नहीं रहा। डिजिटल स्क्रीन ने सीखने, मनोरंजन और संवाद के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन जब वही स्क्रीन वास्तविक रिश्तों, भावनात्मक सहारे और जीवन की जटिलताओं को समझने की क्षमता पर हावी हो जाए, तब जोखिम बढ़ जाता है। यह लेख किसी घटना का सनसनीखेज़ विवरण नहीं, बल्कि उस व्यापक परिदृश्य पर विचार है जिसमें बच्चे, परिवार, सरकार और समाज सबकी साझा ज़िम्मेदारी बनती है।

आज का बच्चा बहुत जल्दी स्क्रीन से परिचित हो जाता है। छोटे हाथों में स्मार्टफोन, टैबलेट और टीवी रिमोट अब असामान्य नहीं हैं। वैश्विक और भारतीय अध्ययनों से संकेत मिलते हैं कि लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क में रहने से नींद, ध्यान, भावनात्मक संतुलन और सामाजिक व्यवहार प्रभावित होते हैं। जब स्क्रीन टाइम बढ़ता है, तो खेल, पढ़ाई, परिवार के साथ बातचीत और खुले वातावरण में बिताया समय घटता है। यह कमी धीरे-धीरे भावनात्मक अकेलेपन और चिड़चिड़ेपन को जन्म देती है, जिसे कई बार बच्चे खुद शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते।मानसिक स्वास्थ्य पर इसका असर विशेष चिंता का विषय है। शोध बताते हैं कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम वाले बच्चों में उदासी, निराशा और सामाजिक अलगाव के लक्षण अपेक्षाकृत अधिक दिखते हैं। नींद की कमी इस प्रभाव को और गहरा करती है। देर रात तक स्क्रीन पर रहने से शरीर की प्राकृतिक घड़ी बिगड़ती है, जिससे अगले दिन थकान और भावनात्मक असंतुलन बढ़ता है। यह कोई सीधी रेखा नहीं कि हर स्क्रीन देखने वाला बच्चा संकट में होगा, लेकिन जोखिम का स्तर अवश्य बढ़ता है, खासकर तब जब स्क्रीन का उपयोग बिना मार्गदर्शन और संवाद के हो।डिजिटल संस्कृति के साथ वैश्विक पॉप ट्रेंड्स का आकर्षण भी बढ़ा है। कोरियाई ड्रामा, संगीत, भाषा और भोजन के प्रति भारत में रुचि तेज़ी से बढ़ी है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान अपने आप में सकारात्मक हो सकता है, लेकिन जब आभासी दुनिया वास्तविक जीवन की अपेक्षाओं का स्थान लेने लगे, तब भ्रम पैदा होता है। आदर्श जीवन, परफेक्ट रिश्ते और चमकदार छवियां बच्चों के मन में तुलना और असंतोष को जन्म दे सकती हैं। यह भी याद रखना ज़रूरी है कि जिन देशों की पॉप संस्कृति लोकप्रिय है, वहां भी मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां मौजूद हैं। खुशी के सूचकांक और सामाजिक भरोसे में गिरावट जैसे तथ्य बताते हैं कि चमकदार परदे के पीछे की सच्चाई कहीं अधिक जटिल है।

ऐसे में सवाल उठता है कि समाधान क्या है। सबसे पहले, सरकार की भूमिका पर बात ज़रूरी है। डिजिटल इंडिया के दौर में बच्चों की डिजिटल सुरक्षा और मानसिक सेहत को नीति की प्राथमिकता बनाना होगा। स्कूल पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता को केवल तकनीकी कौशल तक सीमित न रखकर स्क्रीन के स्वस्थ उपयोग, ऑनलाइन व्यवहार, भावनात्मक स्व-नियंत्रण और मदद मांगने की संस्कृति तक विस्तारित करना चाहिए। सरकारी स्कूलों से लेकर निजी संस्थानों तक, काउंसलिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ानी होगी, ताकि बच्चे बिना डर अपनी बात कह सकें। बाल-अनुकूल हेल्पलाइन, समुदाय आधारित मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण, यह सब मिलकर एक सुरक्षा-जाल बना सकते हैं।नियमन का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बच्चों के लिए कंटेंट रेटिंग, विज्ञापन नियंत्रण और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर आयु-उपयुक्त सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करना होगा। टेक कंपनियों के साथ साझेदारी कर 'डिफ़ॉल्ट' स्क्रीन-लिमिट, ब्रेक रिमाइंडर और रात के समय नोटिफ़िकेशन नियंत्रण जैसे फीचर्स को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही, सार्वजनिक अभियानों के ज़रिये यह संदेश पहुंचाना होगा कि स्क्रीन का संतुलित उपयोग ही लाभकारी है, असीमित नहीं।पर सरकार अकेले यह लड़ाई नहीं जीत सकती। घर वह पहली जगह है जहां बच्चे दुनिया को समझते हैं। अभिभावकों की भूमिका निर्णायक है। मोबाइल को पूरी तरह प्रतिबंधित करना व्यावहारिक नहीं, लेकिन स्पष्ट सीमाएं तय करना आवश्यक है। उम्र के अनुसार स्क्रीन टाइम, सोने से पहले स्क्रीन बंद करने की आदत, और सप्ताह में कुछ घंटे 'डिवाइस-फ्री' समय तय करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हैं। इससे भी ज़्यादा ज़रूरी है संवाद। बच्चों से केवल नियम न कहें, उनके अनुभव सुनें। वे क्या देख रहे हैं, क्यों पसंद कर रहे हैं, उससे उन्हें कैसा महसूस होता है।इन सवालों पर खुली बातचीत विश्वास बनाती है।

अभिभावक स्वयं उदाहरण बनें तो असर दोगुना होता है। यदि घर में बड़े लोग भी हर खाली पल स्क्रीन पर बिताते हैं, तो बच्चों से संयम की उम्मीद करना कठिन है। परिवार के साथ भोजन, खेल, किताब पढ़ना या बाहर टहलना, ये सब साधारण लगते हैं लेकिन भावनात्मक सुरक्षा का आधार बनते हैं। बच्चों की रुचियों को ऑफ़लाइन गतिविधियों से जोड़ना, जैसे खेल, संगीत, कला या सामाजिक सेवा, उन्हें संतुलन सिखाता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है।स्कूलों की जिम्मेदारी भी कम नहीं। शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। भावनात्मक शिक्षा, सहानुभूति, टीमवर्क और समस्या-समाधान जैसे कौशलों को कक्षा का हिस्सा बनाना होगा। शिक्षक यदि बदलाव के शुरुआती संकेत पहचान सकें और सही समय पर अभिभावकों व विशेषज्ञों से जोड़ सकें, तो कई संकट टल सकते हैं। प्रतिस्पर्धा के दबाव को कम करने और विविध प्रतिभाओं को मान्यता देने से भी बच्चों पर अनावश्यक तनाव घटता है।

समाज के स्तर पर हमें उस धारणा को चुनौती देनी होगी कि ऑनलाइन लोकप्रियता ही सफलता है। बच्चों को यह समझाना होगा कि जीवन बहुआयामी है, और असफलताएं सीखने का हिस्सा हैं। मीडिया की भी जिम्मेदारी है कि संवेदनशील मुद्दों को संतुलित और जिम्मेदार ढंग से प्रस्तुत करे, ताकि भय या भ्रम न फैले और समाधान की दिशा में चर्चा हो।अंततः, स्क्रीन न तो शत्रु है और न ही समाधान। वह एक उपकरण है, जिसका उपयोग समझदारी से हो तो सीख और रचनात्मकता का साधन बन सकता है, और बिना संतुलन के हो तो जोखिम बढ़ा सकता है। बच्चों की भलाई के लिए सरकार की नीतियां, स्कूलों की संवेदनशीलता, अभिभावकों का संवाद और समाज का सहयोग , इन सबका संगम आवश्यक है। जब हम बच्चों को सुनते हैं, सीमाएं प्यार से तय करते हैं और उन्हें वास्तविक दुनिया के रिश्तों से जोड़ते हैं, (यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढकर खुशी का लें हम

मानव जीवन रूपी गाड़ी के सुख और दुख, खुशी और गम रुपी दो ऐसे पहिए हैं जिसके बगैर जीवन रूपी गाड़ी चलना मुश्किल है, क्योंकि ऊपर वाले ने सृष्टि में मानव जीवन की रचना कर सफ़लताओं और सहायता के लिए ही यह दोनों पहियों को मानव जीवन में संचारित किए हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि खुशी मनीषियों के अहंकार, अहम, अभिमान से अलंकृत होने का न्योता भी साथ-साथ देती है तो गम मनीषियों को सबक, सीख, नम्रता, सद्भाव सीखने का न्योता देता है, याने जीवन के दोनों पहियों से मानव को कौशलता से सीखने की ज़रूरत है।जब दोनों पहियों रूपी परिस्थितियों में मानव खुशरंग जीवन जीने की कला अपनी कौशलता से सीख लेगा तो अपने जीवन की गाड़ी को सफ़लता से अपने ऊंचे मानवीय सकारात्मक स्तरों को छू लेगा और मनुष्य जीवन के लिए एक मिसाल कायम कर अपना, अपने कुल और राष्ट्र का नाम ऊंचा करने का सामर्थ प्राप्त करेगा क्योंकि खुशी सफलता की चाबी है।साथियों बात अगर हम जीवन के एक पहिए खुशी की करें तो खुशियों को हम खुद अपनी कौशलता से अपने जीवन की छोटी-छोटी बातों में ढूंढ कर खुशी का आनंद ले कर खुश रह सकते हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक पल ढूंढकर, खुशी का इजहार कर अपने कौशलता से दूसरों को प्रोत्साहित कर मानवता धर्म को अदा कर ही सकते हैं। हम अगर सृष्टि में देखें तो कैसे कांटो के बीच भी गुलाब का फूल शिद्दत से खिलता मुस्कुराता रहता है, बस !यह तो हमारे लिए बहुत बड़ी सीख की ओर इशारा है।

साथियों बात अगर हम हमारे जीवन के पलों पर जमाने छिटाकशी की करें तो हमने1974 में आई हिंदी फिल्म अमर प्रेम का गाना,, कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातें, सुनें होंगे इसलिए हमें चाहिए कि दूसरों की तारीफों का मोहताज नहीं बनकर अपने कार्य का स्वयं मूल्यांकन कर अच्छे कार्य पर स्वयं गर्व कर खुश रहें, और क्या विपरीत, क्या गलत हुआ उसका स्वतः संज्ञान लेकर उसमें सुधारात्मक उपाय करने पर भी खुशी का एहसास करना होगा, क्योंकि हमने अपने जीवन की कमी को ढूंढ कर उसे सुधारात्मक उपाय करें।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

विमान दुर्घटना में मुआवजे के लिए जा सकते है उपभोक्ता आयोग!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

> हादसों में औसत मुआवजा 50 लाख से 2 करोड़ तक होता है, लेकिन इस बाबत कोई निर्धारित राशि तय नहीं है। चार्टर्ड विमानों के हादसे में चूंकि मोन्टीरियल कन्वेंशन का नियम लागू नहीं होता है और इसमें मुआवजा पाने के लिए गलती साबित करना जरूरी होता है, जैसे पायलट की लापरवाही या फिर विमान में आई तकनीकी खराबी को सिद्ध करना जरूरी है।लेकिन, अगर यह हादसा बिना किसी की गलती या बिना किसी लापरवाही के हुआ है और इसके पीछे खराब मौसम वजह है तो फिर मुआवजे से इनकार भी किया जा सकता है। कन्वेंशन के तहत हर यात्री के लिए 128,821 स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स तक का मुआवजा तय है, भारतीय करेंसी में यह राशि लगभग 1.4 करोड़ रुपये होती है ।रुपये में यह राशि एसडीआर की वैल्यू और करेंसी रेट पर निर्भर करती है।

जी महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का चार्टर्ड प्लेउन हाल ही में हादसे का शिकार हो गया और उनके साथ करीब 6 लोगों की मौत हो गई।अब क्याउ एयर इंडिया हादसे की तरह इस दुर्घटना में भी पीडित परिवारों को मुआवजा मिलेगा?देश की सभी व्यवसायिक फ्लाइट चाहे वह घरेलू उड़ान हो या अंतरराष्ट्री य, सभी पर मुआवजे का नियम लागू होता है। विमान हादसे के दौरान किसी यात्री की मौत हुई हो,या वह गंभीर रूप से घायल हुआ हो, उसे या उसके परिवार को 1.5 से 1.85 करोड़ रुपये तक का मुआवजा मिलता है।विमान दुर्घटना मुआवजा नियम के तहत न तो विमान चालक या उसकी कंपनी की गलती साबित करने की जरूत होती है और न ही लापरवाही साबित करना आवश्यक है।केवल हादसे या फिर किसी भी अनहोनी पर यह नियम स्वतत- लागू हो जाता है।पिछले साल अप्रैल माह में एयर इंडिया का विमान हादसे का शिकार हुआ था, जिसमें करीब 200 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इस एयर इंडिया के हादसे में जान गंवाने वालों के परिवार को 1.5 से 2 करोड़ रुपये तक मुआवजा मिला है। अब सवाल ये है कि क्याा चार्टर्ड प्ले न के हादसे में भी जान गंवाने वालों को मुआवजा मिलता है और अगर मिलता है तो इसे कौन देगा और कितना पैसा मिलेगा?एयर इंडिया विमान हादसे में जान गंवाने वालों को मोन्टीरियल कन्वेंशन 1999 के नियमों के तहत मुआवजा दिया गया था। यह नियम दुनियाभर की सभी एयरलाइंस पर प्रभावी है। भारत में भी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने कैरियेज बाई एयर एक्ट और अंतरराष्ट्री य संधियों को लागू किया है, जिसमें मोन्टीरियल कन्वेंशन भी शामिल है।

यह नियम

देश की सभी कॉमर्शियल फ्लाइट चाहे वह घरेलू उड़ान हो या अंतरराष्ट्री य, सभी पर लागू होता है।

चार्टर्ड विमानों के लिए नियम

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दुर्घटना ग्रस्त विमान को चार्टर्ड विमानों की श्रेणी में कॉमर्शियल उड़ान नहीं माना जाता , जिस कारण इस तरह के हादसे में मोन्टीरियल कन्वेंशन का नियम भी इस दुर्घटना पर लागू नहीं होगा। लेकिन फिर भी इस विमान हादसे में मारे गए लोगो को भी मुआवजा मिल सकता है,क्योंकि चार्टर्ड विमानों के क्रैश होने पर जान गंवाने वालों या गंभीर रूप से घायलों को मुआवजा मिलता है, लेकिन यह मुआवजा राशि पहले से निर्धारित नही होती, ऐसे मामलों में चार्टर्ड ऑपरेटर जैसे अजित पवार के मामले में वीएसआर कंपनी के पास थर्ड पार्टी इंश्योरेंस जरूर होना चाहिए। इसी इंश्योरेंस के तहत चार्टर्ड विमान के हादसे के बाद पीड़ितों को मुआवजा दिया जाता है।

मुआवजे का दावा कैसे करे

चार्टर्ड विमानों के हादसे के बाद अगर विमान कम्पनी या फिर इंश्योरेंस कम्पनी मुआवजा न दे तो मुआवजे का दावा करने के लिए सिविल कोर्ट में 3 साल के अंदर व उपभोक्ताक अदालत में 2 साल के अंदर मुकदमा दायर किया जा सकता है। इसमें मुआवजे की राशि पीड़ित की उम्र, कमाई, आश्रितों और मौत की वजह के आधार पर तय की जाती है। चार्टर्ड विमानों के मामले में 7 से 11 करोड़ रुपये तक का मुआवजा दिया गया है। इससे पहले मैंगलुरु और कोझिकोड में हुए चार्टर्ड विमान के हादसे के पीड़ित परिवारों को 11 करोड़ रुपये तक का मुआवजा मिला था। हालांकि, ऐसे हादसों में औसत मुआवजा 50 लाख से 2 करोड़ तक होता है, लेकिन इस बाबत कोई निर्धारित राशि तय नहीं है। चार्टर्ड विमानों के हादसे में चूंकि मोन्टीरियल कन्वेंशन का नियम लागू नहीं होता है और इसमें मुआवजा पाने के लिए गलती साबित करना जरूरी होता है, जैसे पायलट की लापरवाही या फिर विमान में आई तकनीकी खराबी को सिद्ध करना जरूरी है।लेकिन, अगर यह हादसा बिना किसी की गलती या बिना किसी लापरवाही के हुआ है और इसके पीछे खराब मौसम वजह है तो फिर मुआवजे से इनकार भी किया जा सकता है। कन्वेंशन के तहत हर यात्री के लिए 128,821 स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स तक का मुआवजा तय है, भारतीय करेंसी में यह राशि लगभग 1.4 करोड़ रुपये होती है ।रुपये में यह राशि एसडीआर की वैल्यू और करेंसी रेट पर निर्भर करती है, यदि यह सिद्ध हो जाए कि हादसा एयरलाइंस की लापरवाही से हुआ है, तो मुआवजे की राशि और भी अधिक हो सकती है।भारतीय एयरलाइंस कंपनियां घरेलू उड़ानों में भी यात्रियों को लगभग वैसी ही सुरक्षा देती हैं,जैसी कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में दी जाती है। घरेलू उड़ानों में मुआवजे की राशि अलग-अलग हो सकती है, लेकिन ज्यादातर कंपनियां 20 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का मुआवजा देती हैं। यह मुआवजा अदा करने की एयरलाइन और इंश्योरेंस कंपनी की साझा जिम्मेदारी है। (यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहन~सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं।

दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं।पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है । (यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8634

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10	■	■		■	■	11	
12		■	13		14	■	15	
■	16			■	17			■
18		■	19	20		■	21	22
23		■	■		■	■	24	
	■	25	26		27	28	■	
29				■	30			

बाएँ से दाएँ

1. दुर्व्यवहार, बुरा आचरण-4
4. पंजाब की एक नदी-4
7. अनाथालय-5
9. दूसरा, पराया-2
11. चलने का तरीका-2
12. नृत्य-2
13. समीप, पास, नजदीक-3
15. बुरी आदत-2
16. नृत्य करना-3
17. प्रलोभन, हवस, तृष्णा-3
18. मालिक, ईश्वर-2
19. निहित, कारण-3
21. भाग्य(अंग्रेजी-2)
23. थूक, लेस-2
24. नवीन, नव-2
25. नयापन, अनूठापन-5
29. नामवाला, नामचिन-4
30. करिश्मा, चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1. मनोरचना, मनगढ़ंत-4
2. कोक, कहवा-2
3. कामदेव की पत्नी-2
4. मित्र, दोस्त-2
5. पेड़ का मध्य भाग-2
6. नादानी, अनाड़ीपन-4
8. बंदर नचाने वाला-3
10. रचना करने वाला-5
11. आरचण, चरित्र-5
13. कपड़े की दिवार-3
14. उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18. पूजा, प्रार्थना-4
20. खूबसुरत, सुन्दर-3
22. कहर, भूचाल-4
25. नया, नवीन-2
26. शूर, बहादूर, सूरमा-2
27. अवधि में, पर्यंत-2
28. मृत, अप्रबल-2

शब्द पहेली -8633 का हल

■	क	थ	न	■	सी	धा	प	न
झ	■	■	ज	रु	र	■	■	म
ल	■	जा	र	■	त	र	■	की
क	म	र	बं	द	■	म	हा	न
■	ग	■	द	■	प	■	जि	■
म	न	का	■	प	रि	चा	र	क
द	■	का	र	■	चा	ल	■	ह
म	■	■	ह	म	ल	■	■	वा
स्त	र	ही	न	■	क	हा	नी	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मकर में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	मकर में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	कुंभ में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कुंभ	06.49 बजे से
मीन	08.22 बजे से
मेष	09.52 बजे से
वृष	11.32 बजे से
मिथुन	13.31 बजे से
कर्क	15.44 बजे से
सिंह	18.00 बजे से
कन्या	20.12 बजे से
तुला	22.23 बजे से
वृश्चिक	00.38 ब.से
धनु	02.54 बजे से
मकर	04.59 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 41 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 07.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 07.55 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 01.42 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 07.28 बजे तदनन्तर तैतिल 20.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872616
जूलियन दिन 2461081.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 21

दिन का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक

रात का चौघड़िया		
काल	05.42 से	07.13 बजे तक
लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

प्रधानमंत्री आवास योजना: ग्रामीण से उदेराम का पक्के मकान का सपना हुआ साकार

कल्लूटोला। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण देश के लाखों जरूरतमंद परिवारों को कच्चे और असुरक्षित आवासों से निकालकर पक्के, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रही है। इसी कड़ी में जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत वनांचल ग्राम कल्लूटोला निवासी श्री उदेराम साहू का पक्के मकान का सपना साकार हुआ है।श्री उदेराम साहू ने बताया कि सीमित आय एवं कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे वर्षों तक कच्चे मकान में परिवार सहित रहने को विवश थे। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकना, दीवारों में दरारें और परिवार की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। इन परिस्थितियों के कारण स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता था।प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत श्री उदेराम साहू को 1 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। इस सहायता राशि से उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करते हुए पक्का, सुरक्षित एवं टिकाऊ आवास का निर्माण सफलतापूर्वक पूर्ण किया।आवास निर्माण के दौरान मनरेगा योजना अंतर्गत 90 दिवस की मजदूरी भी उपलब्ध हुई, जिससे उन्हें निर्माण अवधि में रोजगार एवं आय का स्थायी स्रोत मिला। इससे अतिरिक्त ऋण लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी और आर्थिक बोझ से राहत मिली।इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण से परिवार को स्वच्छता, बेहतर स्वास्थ्य एवं गरिमापूर्ण जीवन का लाभ प्राप्त हो रहा है।श्री उदेराम साहू ने बताया कि पक्का आवास बनने के बाद परिवार की जीवन-शैली में उल्लेखनीय सुधार आया है। अब सुरक्षित आवास, स्वच्छ वातावरण, बेहतर स्वास्थ्य तथा बच्चों की शिक्षा के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ उपलब्ध हैं। इस योजना के माध्यम से न केवल आवास सुविधा सुनिश्चित हुई है, बल्कि परिवार का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण भी हुआ है।प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों के जीवन स्तर को स्थायी रूप से सुधारने की दिशा में एक प्रभावी, जनकल्याणकारी एवं सफल योजना के रूप में सिद्ध हो रही है।

जर्नी ऑफ़ सैनिटेशन हाइजीन 'जोश' से बदली संस्थागत शौचालयों की तस्वीर

एमसीबी । जिले में स्वच्छता को बढ़ावा देने और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई छत्तीसगढ़ की अनूठी पहल जर्नी ऑफ़ सैनिटेशन हाइजीन जोश ने मात्र एक माह में ही सकारात्मक परिणाम देना शुरू कर दिया है। 5 जनवरी से प्रारंभ इस अभियान का संचालन कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक जिले की 86 संस्थाओं-जिनमें आंगनवाड़ी केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, विद्यालय एवं छात्रावास शामिल हैं-के शौचालयों की नियमित साफ-सफाई की गई है। इससे संस्थागत परिसरों की स्वच्छता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और शौचालयों की उपयोगिता भी बढ़ी है। अभियान ने स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता को बढ़ाते हुए संस्थाओं में बेहतर वातावरण का निर्माण किया है। अभियान के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। अब तक लगभग 13 हजार रुपये की अतिरिक्त आय यूजर चार्ज के रूप में सृजित की जा चुकी है, जिससे युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में मदद मिली है।

बिना सूचना अनुपस्थित रहने वालों पर होगी कार्रवाई: कलेक्टर

विजय मत/अंबिकापुर

कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि अवकाश में जाने से पूर्व अनिवार्य रूप से अनुमति ली जाए, आदेश का पालन ना करने वाले एवं बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले अधिकारी कर्मचारियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सभी अधिकारी समय -सीमा की बैठक में आने से पूर्व अद्यतन विभागीय जानकारी लेकर आएं तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों की प्रगति एवं क्रियान्वयन की जानकारी भी उपलब्ध करवाएं।

बैठक में कलेक्टर वसंत ने अपार आईडी में बच्चों की एंट्री की जानकारी ली तथा शत-प्रतिशत एंट्री सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस हेतु बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र जरूरी है, इसलिए शिक्षा विभाग सर्वे कर जल्द से जल्द ऐसे बच्चों की सूची जिनका जन्म प्रमाण पत्र नहीं बना है, सम्बंधित अनुभाग के एसडीएम को उपलब्ध कराएं।

बैठक में उन्होंने कहा कि वनाधिकार पट्टों का नामान्तरण महत्वपूर्ण है, इसलिए राजस्व एवं वन विभाग एक माह के भीतर फौती नामान्तरण पूर्ण कर लें। उन्होंने आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त को आश्रम छात्रावासों के निरीक्षण हेतु अधिकारियों की ड्यूटी आदेश बनाने निर्देशित किया। उन्होंने सभी एसडीएम को लगातार छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावासों में खेल सामग्री प्रदान करने कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला खाद्य अधिकारी से पीडीएस दुकानों में राशन वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि समय पर व्यवस्थित वितरण सुनिश्चित करें। बैठक में डीएमएफ अंतर्गत रिक्त पदों की भर्ती, पीवीटीजी युवाओं को रोजगार की जानकारी ली गई। बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन, कलेक्टर जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, राम सिंह ठाकुर, अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम कमिश्नर डी एन कश्यप सभी एसडीएम एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

धान उठाव में तेजी लाने दिए गए निर्देश

कलेक्टर वसंत ने समर्थन मूल्य में धान खरीदी उपरांत उपार्जन केंद्रों से धान उठाव की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि धान उठाव में तेजी लाते हुए 28 फरवरी तक उठाव पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गम्भीरतापूर्वक भौतिक सत्यापन करवाए।

मैनपाट महोत्सव की तैयारियों पर हुई समीक्षा

बैठक में कलेक्टर वसंत ने मैनपाट महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि महोत्सव के शुभारंभ समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जिले में आगमन प्रस्तावित है। इसलिए सभी तैयारियां गुणवत्तापूर्ण ढंग से जल्द पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने विभागों को लोकार्पण भूमिपूजन की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं विभागीय स्टॉल एवं हितग्राही सामग्री वितरण की भी जानकारी प्रदान करने निर्देशित किया गया।

सतत मॉनिटरिंग एवं तय समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करें

कलेक्टर अजीत वसंत ने आज ग्रामीण आवास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जनमन आवास योजना तथा मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 32,195 आवासों में से 18,262 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। कलेक्टर ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष अपूर्ण आवासों को माहवार लक्ष्य के अनुसार शीघ्र पूर्ण कराया जाए। साथ ही 5,487 अप्रारंभ आवासों को तत्काल प्रारंभ कर समय-सीमा में पूर्ण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनमन आवास योजना की समीक्षा में बताया गया कि स्वीकृत 2,565 आवासों में से 1,371 आवास पूर्ण हो चुके हैं।

गांव में शराब दुकान खोलने का विरोध

विजय मत/कवधा

महिलाओं के साथ कई ग्रामीण पहुंचे कबीरधाम कलेक्ट्रेट, ज्ञापन सौंपकर चक्काजाम की चेतावनी

जिला मुख्यालय के पास स्थित ग्राम नेवारी में प्रस्तावित शराब दुकान को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराज़गी है. गांव के महिला-पुरुषों ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा और शराब दुकान खोलने का विरोध किया.

दुकान का स्थान बदलने पर आपत्ति

ग्रामीणों ने बताया कि कवर्धा-बिलासपुर मार्ग पर चल रही अंग्रेजी और देशी शराब दुकान का स्थान बदला जा रहा है. इसके लिए नेवारी गांव की एक निजी जमीन को चुना गया है. टेंडर प्रक्रिया में इस जमीन को फाइनल करने की तैयारी चल रही है. ग्रामीणों का आरोप है कि जमीन मालिक ने शराब दुकान चलाने के लिए पहले से भवन जैसा ढांचा भी बना लिया है, जिससे आशंका है कि प्रशासन भी इसी जगह को मंजूरी दे सकता है.

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में शराब दुकान खुलने से सामाजिक वातावरण खराब होगा. असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ेगी, जिससे गांव की शांति भंग होगी. महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को असुरक्षा महसूस होगी. साथ ही पढ़ाई कर रहे बच्चों और युवाओं के भटकने की भी आशंका जताई गई है.

नेवारी एक शांतिप्रिय गांव है और यहां किसी भी हालत में शराब दुकान स्वीकार नहीं की जाएगी. प्रशासन से हम मांग करते हैं कि प्रस्तावित स्थान परिवर्तन को तुरंत रद्द किया जाए और गांव की सीमा में शराब दुकान न खोली जाए. - हेम कुमार कोसले, ग्रामीण महिला

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया और शराब दुकान खोली गई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे. जरूरत पड़ने पर चक्काजाम भी किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी.

कुछ महिलाएं आई थीं, शराब दुकान जो उनके गांव के पास खोली जा रही है उसका विरोध और आपत्ति जताते हुए उन्होंने ज्ञापन सौंपा है. इसे आगे पहुंचाया जाएगा- विनय कुमार पोयाम, अपर कलेक्टर।

बलरामपुर में प्रशासन की टीम पर हमला केस में एक्शन, 15 आरोपी गिरफ्तार

विजय मत/बलरामपुर

बलरामपुर में सरकारी छात्रावास की जमीन से कब्जा हटाने गई टीम पर हमले को लेकर जिला प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है. पुलिस ने इस केस में कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. सभी आरोपी बीते दो महीने से फरार चल रहे थे.

कब की है घटना ?

बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर में शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा था. इसे हटाने के लिए राजस्व विभाग की टीम 9 दिसंबर 2025 को कार्रवाई करने गई थी. इस दौरान वहां राजस्व विभाग की टीम के साथ मारपीट, धक्कामुक्की और गाली गलौज की गई. पुलिस ने तहसीलदार की शिकायत पर केस दर्ज किया था. अब इस केस में 9 फरवरी 2026 को बलरामपुर पुलिस ने एक्शन लिया है. कुल 15 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है.

तहसीलदार अश्विनी चंद्रा के आवेदन के आधार पर धारा 351(3), 296, 221, 132 191 (1) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई. घटना के बाद से ही सभी आरोपी फरार चल रहे थे. पुलिस को मुखबिर के जरिये आरोपियों के सटीक ठिकाने की जानकारी मिली. उसके बाद घेराबंदी कर 9 फरवरी को सभी पंद्रह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है-मनोज नवरंगे, रामचंद्रपुर थाना प्रभारी

रामचंद्रपुर में बालक छात्रावास की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे हटाने के दौरान आरोपियों ने न सिर्फ राजस्व विभाग की टीम के साथ बदसलूकी की थी. इस दौरान जिला प्रशासन की टीम को दो घंटे तक घेरे भी रखा था. जिला प्रशासन की टीम वहां से न जाए इसके लिए आरोपियों ने सड़क को भी जाम कर दिया था. इस केस में काफी अरसे से गिरफ्तारी की मांग हो रही थी।

कलेक्टर ममगाईं ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं

बेमेतरा। जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज सोमवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला।आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 49 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मोर गांव मोर पानी अभियान से 45 परिवारों की जिंदगी में आया बड़ा बदलाव

विजय मत/एमसीबी

जल संरक्षण की पहल से पांच एकड़ से अधिक भूमि में लहलहाई खेती

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी पहल मोर गांव मोर पानी अभियान आज गांवों में जल आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़ जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम मुख्तियारपारा में वर्षों से उपेक्षित एक अनुपयोगी स्टापडेम को नया जीवन मिला है। बहते पानी को सहेजने की इस सामूहिक कोशिश ने न सिर्फ जल संकट दूर किया बल्कि खेती, पशुपालन और ग्रामीण जीवन को नई दिशा दे दी।

जब जर्जर स्टापडेम बना समस्या

ग्राम मुख्तियार पारा में कई वर्ष पूर्व एक स्थानीय नाले पर निर्मित स्टापडेम समय के साथ जर्जर हो चुका था। गाद जमाव के कारण इसकी जल धारण क्षमता लगभग समाप्त हो गई थी। सर्दियों के बाद नाले का प्रवाह कम होते ही ग्रामीणों को दैनिक उपयोग तक के लिए पानी नहीं मिल पाता था। खेतों की सिंचाई तो दूर, पशुओं के लिए भी जल का संकट बना रहता था।

गत वित्तीय वर्ष में आयोजित ग्राम सभा में मोर गांव मोर पानी अभियान पर चर्चा हुई। ग्रामीणों ने एकजुट होकर खराब पड़े स्टापडेम के पुनरुद्धार का प्रस्ताव रखा। सामुदायिक जलभराव क्षेत्र निर्माण एवं भूमि सुधार कार्य को सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली। महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत लगभग 4.95 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई और ग्राम पंचायत मुख्तियार पारा को निर्माण एजेंसी बनाया गया। तकनीकी निगरानी में यह कार्य समय-सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ।

जल से समृद्ध हुआ गांव का भविष्य

सिल्ट हटने और भूमि सुधार कार्य के बाद स्टापडेम में जल का ठहराव पहले की तुलना में कहीं अधिक हो गया है। इसका सीधा लाभ ग्राम सलका और सिरौली के लगभग 45 परिवारों को मिल रहा है। आज यहां घरेलू उपयोग, पशुपालन और निस्तार के लिए भरपूर जल उपलब्ध है। आसपास के जलस्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस जलसंचय के कारण 8 से 10 परिवारों ने रबी फसल के साथ-साथ सब्जी उत्पादन भी शुरू कर दिया है और पांच एकड़ से अधिक कृषि भूमि सिंचित हो चुकी है। यह कहानी बताती है कि जब सरकार की योजना, ग्राम सभा की सहभागिता और श्रमशक्ति एक साथ आती है, तो अनुपयोगी संरचनाएं भी समृद्धि का आधार बन जाती हैं। मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत किया गया यह कार्य ग्रामीण आत्मनिर्भरता, जल संरक्षण और टिकाऊ विकास की एक प्रेरणादायी सफलता की कहानी बनकर उभरा है।

जिला बाल संरक्षण की टीम द्वारा रोकवाई गई दो नाबालिको का विवाह

विजय मत/सूरजपुर

जिला सूरजपुर में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश पर बाल विवाह पर प्रशासन की टीम कड़ी नजर रख रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग सूरजपुर को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने को अग्रसर है। जिला बाल संरक्षण श्री अधिकारी मनोज जायसवाल को दो अलग-अलग विकासखण्ड सूरजपुर एवं रामानुजनगर में सूचना प्राप्त हुई कि 16 वर्षीय लड़कियां जो ग्यारहवी में अध्ययनरत हैं उसकी सगाई कर घर वाले विवाह करने वाले है।

सूचना के बाद जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने दोनो का सत्यापन स्कूलों से कराया और दोनो नाबालिकों की उम्र 16 वर्ष पाये जाने पर मौके पर दो टीमे भेजी गई और सगाई के समय ही सभी को समझाईस दी गई।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि छ.ग. शासन ने ग्राम पचांयत के समस्त सचिवों एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के समस्त पर्यवेक्षको को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी बनाया है। सभी की जिम्मेदारी है कि उनके ग्राम पंचायत एवं सेक्टर में बाल विवाह ना हो। एवं बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।

बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत सजा के सम्बन्ध में भी बताया गया दोनो स्थानों में बालिकाओं को आगे की पढ़ाई जारी रखने और शिक्षा से ही सब कुछ प्राप्त होने की समझाईस दी गई। लड़की एवं परिवार वालो ने पहले पढाई फिर विदाई को स्वीकार किया और बालिका की शिक्षा को जारी रखने और उम्र हो जाने पर विवाह करने को तैयार हुए। इस आशय का पंचनामा एवं कथन लेकर विवाह को स्थगित करा दिया गया।

बाल विवाह रोकवाने वालों में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल, रामानुजनगर परियोजना अधिकारी सुश्री अनुराधा आर्या, सूरजपुर पर्यवेक्षक श्रीमति दीपा बैरागी, चाईल्ड लाईन से श्री दिनेश यादव, श्रीमती यशोदा गुप्ता, पुलिस विभाग से श्री शिवलोचन पैकरा, श्री रामप्रकाश उपस्थित थे।

कंजिया हाई स्कूल में स्वास्थ्य चेतना शिविर छात्रों को सिखाए सेहतमंद रहने के गुर

एमसीबी। स्वास्थ्य विभाग जनकपुर के तत्वावधान में विगत 06 फरवरी 2026 को शासकीय हाई स्कूल कंजिया में एक प्रभावशाली एवं बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक एवं नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। आयुष चिकित्सा के अंतर्गत जीवनशैली सुधार, प्राकृतिक उपचार पद्धतियों और रोगों से बचाव के सरल तरीकों पर प्रकाश डाला गया। वहीं बाल नेत्र सुरक्षा के तहत बच्चों की आंखों की जांच की गई और डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव के सुझाव दिए गए। इस स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. रमन के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया गया। आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवपाल सिंह ने विद्यार्थियों को आयुष एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों से अवगत कराया। विकास खंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान ने आयोजन एवं प्रबंधन में सक्रिय सहभागिता निभाई। नेत्र सहायक अधिकारी आर. एस. चेचाम द्वारा विद्यार्थियों की आंखों की सूक्ष्म जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया।

फाईलेरिया मुक्ति अभियान अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम आज होगा शुभारंभ

विजय मत/अंबिकापुर

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत फाईलेरिया मुक्ति अभियान अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ 10 फरवरी से किया जाएगा। जिला मलेरिया एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी ने बताया कि इसमें 10, 11 एवं 12 फरवरी 2026 को स्कूल, आंगनबाड़ी, कॉलेज, हाऊसिंग सोसाईटी, बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन तथा आवश्यकतानुसार अन्य स्थानों पर बूथ लगाकर दवा सेवन कराया जाएगा। 13 फरवरी 2026 से 22 फरवरी 2026 तक घर-घर जाकर फाईलेरिया रोधी दवा का सेवन दवा प्रशासक द्वारा कराया जाएगा तथा छूटे हुए व्यक्तियों को 23, 24 एवं 25 फरवरी को दवा का सेवन कराया जाना है। उन्होंने बताया कि जिले को फाईलेरिया मुक्त किए जाने हेतु सामूहिक दवा सेवन गतिविधि में कुल 3691 दवा प्रशासकों द्वारा दवा खिलायी जाएगी तथा 369 सुपरवाईजरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। समस्त विकासखण्ड के लिये जिला स्तर से विकासखण्ड नोडल नियुक्त किए गए हैं। कलेक्टर अजीत वसंत ने इस समस्त जिले वासियों को फाईलेरिया (हाथीपांव) से बचाव हेतु फाईलेरिया रोधी दवाईयों का सेवन कर जिले को फाईलेरिया मुक्त बनाने अपील की है।

आमदई माइंस में 6 दिन से खनन और परिवहन ठप, मजदूर हड़ताल पर

विजय मत/एमसीबी

नारायणपुर- जिले के आमदई लौह अयस्क माइंस में मजदूर संगठन और माइंस प्रबंधन के बीच उपजे विवाद ने गंभीर रूप ले लिया है. मजदूरों को अकुशल से अर्ध-कुशल (सेमी-स्किल) श्रेणी में शामिल करने की मांग को लेकर बीते 6 दिनों से सैकड़ों स्थानीय मजदूर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं. जिससे पूरा काम प्रभावित हो रहा है. वहीं कंपनी का कहना है कि वो मजदूरों के हित में कार्य कर रही है. कई सुविधाएं उन्हें दी जा रही है.

प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोग प्रभावित

आमदई माइंस के जीरो पॉइंट पर चल रहे इस आंदोलन में 400 से अधिक स्थानीय मजदूर शामिल हैं. मजदूरों की हड़ताल के कारण माइंस में लौह अयस्क उत्खनन पूरी तरह ठप है, वहीं परिवहन में लगी सैकड़ों भारी वाहनों के पहिए पिछले 6 दिनों से थमे हुए हैं. जिससे हजारों लोगों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पर संकट खड़ा हो गया है. वाहन संचालन बंद होने से वाहन मालिकों, ड्राइवरों और हेल्परों की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ रहा है.

अकुशल से अर्ध-कुशल श्रेणी में शामिल करने की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं.

मजदूर अर्ध-कुशल श्रेणी की मांग पर अड़े

कई वाहन मालिकों का कहना है कि किस्त, मेंटेनेंस और कर्मचारियों के वेतन को लेकर स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है. जिले की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ रहा है. वहीं मजदूर संगठन का आरोप है कि माइंस प्रबंधन द्वारा वर्षों से काम कर रहे मजदूरों को अब तक अकुशल श्रेणी में ही रखा गया है. न तो उन्हें अर्ध-कुशल श्रेणी में अपग्रेड किया जा रहा है और न ही रोजगार से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भेजा जा रहा है.अनस्किल्ड बने रहने से वेतन, रोजगार के साथ भविष्य पर संकट है. कंपनी ने तीन साल पूरे होने के बाद श्रेणी विभाजन का वादा किया था, लेकिन अब प्रबंधन अपने वादे से मुकर रहा है.- प्रदर्शनकारी मजदूर

कंपनी ने जितना रिक्रायरमेंट है लेबर का हमारा, उससे चार गुना ज्यादा लिया है क्योंकि यहीं पर माइंस है तो सभी को रोजगार मिलेगा. हमारा जो सेंट्रल गवर्नमेंट सेनोटिफिकेशन है, टाइम टू हर 6 महीना में रिवाइज होता है, उसका पेमेंट टाइम टू टाइम हम रिवाइज करके दे रहे हैं. एडिशनल बोनस भी दे रहे हैं. अब हड़ताली मजदूरों से बातचीत कर रहे हैं जल्दी इसका समाधान निकालेंगे- दासरथी बुधिया, सीनियर मैनेजर आमदई माइंस में जारी यह टकराव अब केवल मजदूर और प्रबंधन तक सीमित नहीं रह गया है।

कंपनी ने एग्रीमेंट का दिया हवाला

पूरे मामले पर निको कंपनी के सहायक महाप्रबंधक एच.एन. झा ने मजदूरों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कंपनी लगातार मजदूरों के हित में कार्य कर रही है. उन्होंने बताया कि हर वर्ष मजदूरों की तनख्वाह में बढ़ोतरी की जाती है, बीमा और पेंशन जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो मांग की जा रही है, वह श्रम समझौते (एग्रीमेंट) का हिस्सा नहीं है, इसलिए उसे मानना मुश्किल है.कंपनी ने जितना रिक्रायरमेंट है लेबर का हमारा, उससे चार गुना ज्यादा लिया है क्योंकि यहीं पर माइंस है तो सभी को रोजगार मिलेगा. हमारा जो सेंट्रल गवर्नमेंट सेनोटिफिकेशन है, टाइम टू हर 6 महीना में रिवाइज होता है, उसका पेमेंट टाइम टू टाइम हम रिवाइज करके दे रहे हैं. एडिशनल बोनस भी दे रहे हैं. अब हड़ताली मजदूरों से बातचीत कर रहे हैं जल्दी इसका समाधान निकालेंगे- दासरथी बुधिया, सीनियर मैनेजर ॥क्र

लौह अयस्क उत्खनन पूरी तरह ठप, सैकड़ों भारी वाहनों के पहिए थमे

आमदई माइंस में जारी यह टकराव अब केवल मजदूर और प्रबंधन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका सीधा असर परिवहन क्षेत्र, वाहन मालिकों और जिले की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ रहा है. जहां मजदूर अपने भविष्य और सम्मानजनक रोजगार की लड़ाई लड़ रहे हैं, वहीं प्रबंधन नियमों और समझौतों का हवाला दे रहा है.

जनदर्शन में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

विजय मत/नारायणपुर

कलेक्टर नम्रता जैन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवो से पहुंचे लोगों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण कराने भरोसा दिलाया एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

आज जनदर्शन में किशन कंवर भृत्य राजस्व विभाग द्वारा बंगला ड्यूअी से मुक्त किये जाने तथा विना कारण वेतन रोके जाने, मोहमद हुसैन खान द्वारा निर्माण कार्य का भुगतान दिलाने, लोचन देवांगन द्वारा माह जून 2025 से पुलिस लाइन नारायणपुर में वाहन चलाने का किराया भुगतान करने, सुखबत्ती भण्डारी ग्राम सोनपुर द्वारा पति का मृत्यु प्रमाण पत्र दिलवाने, जिला अध्यक्ष केपी सागर द्वारा जिला अस्पताल नारायणपुर में पदस्थ सुमन गंजीर द्वारा शासन के साथ धोखाधड़ी एवं लाखो रूपए का गबन करने, नरेश भण्डारी ग्राम कुंदला द्वारा पूर्वजो के समय से काश्त भूमियो से अवैध कब्जा हटाने, सरपंच ओरछा गणेश कोर्राम द्वारा मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने, सरपंच ग्राम पंचायत मुंजमेटा द्वारा ग्राम नाऊ मुंजमेटा में सीसी सड़क स्वीकृति प्रदान करने एवं शमशान घाट में मुक्तिधाम निर्माण, रामुराम कोर्राम ग्राम मालिंगनार द्वारा ग्राम माहका से मालिंगनार तक 5 किलोमीटर सड़क निर्माण हेतु स्वीकृति, सरपंच ग्राम पंचायत दण्डवन द्वारा मिट्टी मुरूम सड़क स्वीकृत करने, उप सरपंच ग्राम पंचायत करलखा द्वारा पुराने सीसी रोड को डामरीकरण करवाने, टांगरा राम कर्मा ग्राम आदेर द्वारा रिटायर पेंशन उपलब्ध कराने, समस्त जिला के डॉ. नर्स आरएनएम द्वारा राशि केवल 6 माह का भुगतान होने एवं शेष 8 माह की लंबित राशि के शीघ्र भुगतान हेतु, सरपंच ग्राम पंचायत कुकड़ाझोर द्वारा प्राथमिक शाला, शौचालय, बॉउंड्रीवाल स्वीकृत करने, सरपंच ग्राम धौड़ाई द्वारा पंकज सोरी भृत्य की मूल संस्था शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौड़ाई भेजने, धौड़ाई में बालक एवं बालिका छात्रावास स्वीकृत करने, स्ट्रीट लाइट लगवाने तथा गली सड़क निर्माण, सरपंच ग्राम पंचायत बोरावण्ड द्वारा नया हैण्डपंप सुविधा खुदाई कराने, 1500 मीटर सड़क निर्माण करने, ग्राम बोरावण्ड आमापारा में सोनू घर से रजमु घर तक 1800 मीटर सड़क निर्माण की स्वीकृति, नरेन्द्र नाग अध्यक्ष बस्तर लोकसभा आम आदमी पार्टी द्वारा आबुझमाड़ क्षेत्र में बदहाल शिक्षा व्यवस्था भ्रष्टाचार गुणवत्ता हिन निर्माण फर्जी एवं आम आदमी पार्टी द्वारा की गई शिकायतो पर जांच व एफआईआर दर्ज न होने।

बड़े कारली तालाब में आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल

विजय मत/दंतेवाड़ा

जिले के बड़े कारली तालाब में बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने हेतु प्रशासनिक अमले एवं गोताखोरों की टीम द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। अभ्यास के दौरान तालाब के मध्य नाव ले जाकर एक युवक को डूबने से बचाने का प्रदर्शन किया गया।

तालाब में जलस्तर कम होने के कारण पत्थरों से टकराने की आशंका को ध्यान में रखते हुए तालाब के दूसरे छोर पर सायरन व्यवस्था की गई थी। वहीं से माइक के माध्यम से बचाव दल को दिशा-निर्देश दिए जा रहे थे। बचाव दल को यह जानकारी दी जा रही थी कि किस दिशा में पत्थर हैं और किस ओर खतरे की संभावना है। मॉक ड्रिल के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि बचाव में प्रयुक्त नाव तकनीकी रूप से पूरी तरह सक्षम है तथा गोताखोर आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार हैं। साथ ही बचाव कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली सभी मानक प्रक्रियाओं का पालन किया गया।

उल्लेखनीय है कि दंतेवाड़ा जिले में नदी किनारे बसे गांवों में बाढ़ की आशंका बनी रहती है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणों के फंसने पर उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की तैयारियों का भी इस अभ्यास के माध्यम से पूर्वाभ्यास किया गया। मौके पर स्वास्थ्य विभाग का अमला भी उपस्थित रहा। बाढ़ आपदा में फंसे लोगों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु प्राथमिक उपचार सामग्री एवं चिकित्सक मौजूद थे, साथ ही आवश्यक जीवनरक्षक औषधियां भी रखी गई थीं। इसके अतिरिक्त मॉक ड्रिल के दौरान अस्थायी राहत केंद्र भी स्थापित किया गया। इस प्रकार आपदा से निपटने की तैयारियों की पूर्ण रूप से रिहर्सल की गई।

मॉक ड्रिल के पश्चात अपर कलेक्टर द्वारा बाढ़ आपदा से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने पर्याप्त संख्या में जीवन रक्षक जैकेट, नावों के लिए ईंधन, टॉर्च जैसी आवश्यक सामग्रियां उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही मानसून से पूर्व राहत शिविरों की समुचित तैयारियां पूर्ण कर लेने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष में कर्मचारी चौबीसों घंटे उपस्थित रहें तथा आपदा की स्थिति में प्रत्येक क्षण की सूचना उच्च अधिकारियों को दी जाए।

जिले के किसान सुरेश कुमार नाग को मिला 'भुइयां के भगवान' सम्मान

विजय मत/दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ की माटी और किसानों के प्रति समर्पण को सम्मानित करने वाले आईबीसी 24 के प्रतिष्ठित 'भुइयां के भगवान' पुरस्कार से इस वर्ष दंतेवाड़ा जिले के ग्राम कासौली (विकासखंड दंतेवाड़ा) के प्रगतिशील किसान सुरेश कुमार नाग को सम्मानित किया गया। 06 फरवरी 2026 को राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान निधि प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि दंतेवाड़ा जिले के कृषि जगत के लिए गौरव का क्षण है।सुरेश कुमार नाग की यह उपलब्धि केवल ग्राम कासौली तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जिले के उन किसानों के लिए प्रेरणा है जो रसायनों को छोड़कर प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर लौट रहे हैं। जैविक खेती के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए नवाचार, निरंतर प्रयास और सफल प्रयोगों को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया है। उन्होंने वर्षों पूर्व रासायनिक खेती के दुष्परिणामों को समझते हुए जैविक खेती को अपनाया और ग्राम कासौली जैसे दूरस्थ क्षेत्र में रहते हुए यह सिद्ध किया कि मजबूत इच्छाशक्ति और परंपरागत संसाधनों से भी बेहतर उत्पादन संभव है।

नाग ने अपने खेतों में रासायनिक उर्वरकों का पूरी तरह त्याग कर जीवामृत, घन-जीवामृत तथा स्थानीय औषधियों से निर्मित कीटनाशकों जैसे ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र का उपयोग शुरू किया। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने पर उन्होंने अपने अनुभव आसपास के किसानों के साथ साझा किए और पूरे जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने का कार्य किया। उनके प्रयासों से कई गांवों के किसान प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित हुए हैं। इसके साथ ही वे 100 से अधिक परंपरागत धान की किस्मों के संरक्षण में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। जिले में विधि से रागी तथा विधि से कोसरा जैसे नवाचारों के प्रयोग में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है।

जिला प्रशासन और कृषि विभाग के मार्गदर्शन में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को सुरेश कुमार नाग जैसे किसानों ने धरातल पर उतारा है। उनकी इस उपलब्धि पर जिले के जैविक खेती करने वाले किसानों, वरिष्ठ अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों ने हर्ष व्यक्त किया है। यह सम्मान इस बात का प्रतीक है कि छत्तीसगढ़ सरकार धरातल पर काम करने वाले वास्तविक भूमि पुत्रों को पहचान कर उन्हें उचित मंच प्रदान कर रही है। सम्मान समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सुरेश कुमार नाग जैसे किसान समाज के असली नायक हैं, जो न केवल अन्न का उत्पादन कर रहे हैं बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित मिट्टी और शुद्ध पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सम्मान प्राप्ति के बाद सुरेश कुमार नाग ने कहा कि यह पुरस्कार उनका नहीं बल्कि उन सभी किसानों का है जो धरती माता को रसायनों के जहर से बचाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। सुरेश कुमार नाग को मिला यह 'भुइयां के भगवान' पुरस्कार दंतेवाड़ा जिले में जैविक खेती आंदोलन के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

खैरागढ़ कलेक्ट्रेट परिसर में आत्मदाह की कोशिश पुलिस ने रोका, सामाजिक बहिष्कार से परेशान

विजय मत/खैरागढ़

जिले के कलेक्टरेट परिसर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक व्यक्ति ने दिनदहाड़े खुद को आग लगाने की कोशिश की. घटना के समय अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक वहां मौजूद थे. अचानक हुई इस घटना से पूरे परिसर में हड़कंप मच गया.

पुलिस की सतर्कता से टली बड़ी घटना

घटना को देखते ही मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई की और व्यक्ति को आग लगाने से रोक लिया. उनकी तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया. इस दौरान व्यक्ति को हल्की चोटें आईं. पीड़ित की पहचान शीतलाल निर्मलकर, निवासी कटंगी, गंडई के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि शीतलाल लंबे समय से गांव में कथित सामाजिक बहिष्कार का सामना कर रहा था.

न्याय के लिए दफ्तरों के चक्कर

शीतलाल का कहना है कि सामाजिक बहिष्कार की शिकायत लेकर वह लगातार प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर काट रहा था, लेकिन उसे कहीं से भी संतोषजनक समाधान नहीं मिला. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शीतलाल ने अचानक आत्मदाह का प्रयास किया, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग हैरान रह गए. पुलिस और कर्मचारियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे सुरक्षित किया.

सामाजिक बहिष्कार का आरोप

घटना के बाद पुलिस उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची. प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत स्थिर बताई है. वहीं पीड़ित का आरोप है कि गांव के कुछ प्रभावशाली लोगों ने उसका और उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया है. विरोध करने पर उस पर दबाव बनाया गया और उसे समाज से अलग-थलग कर दिया गया. इसका असर उसके बच्चों पर भी पड़ रहा है.

कई जगह शिकायत, फिर भी नहीं मिली सुनवाई

शीतलाल ने दावा किया कि उसने थाना, कलेक्टर कार्यालय, गृह मंत्रालय और मानवाधिकार आयोग तक शिकायत की, लेकिन कहीं भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई. लगातार उपेक्षा और मानसिक दबाव के चलते उसने यह कदम उठाने की कोशिश की.

जांच में जुटी पुलिस

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. वहीं प्रशासन की ओर से शिकायतों की दोबारा समीक्षा किए जाने की बात कही गई है. इस घटना ने प्रशासनिक संवेदनशीलता और ग्रामीण इलाकों में सामाजिक बहिष्कार जैसे गंभीर मुद्दों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'कलेक्टर ने किया छात्र दुर्घटना बीमा योजना अंतर्गत दिवंगत छात्र के परिजन को बीमा राशि का चेक प्रदाय'

नारायणपुर । कलेक्टर नम्रता जैन ने छात्र दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत शासकीय बालक बुनियादी आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरांजी, नारायणपुर में कक्षा आठवीं में अध्ययनरत दिवंगत छात्र स्व. सुनील नेताम के परिजनों को बीमा राशि का चेक प्रदान किया। छात्र स्व. सुनील नेताम, पिता सन्तुराम नेताम, निवासी घोटियामुंडा चांदाबेड़ा, विकासखण्ड फरसगांव, जिला कोण्डागांव का 13 सितंबर 2025 को छात्रावास में आकस्मिक निधन हो गया था। उक्त दुखद घटना के पश्चात छात्र दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण की गई। 09 फरवरी को कलेक्टर नम्रता जैन द्वारा दिवंगत छात्र के पिता सन्तुराम नेताम को 1 लाख रुपये की बीमा राशि का चेक प्रदाय किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों की मुख्यालय में उपस्थिति अनिवार्य, सोमवार को होगी टीएल बैठक

विजय मत/बस्तर

कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने राज्य शासन के दिए गए निर्देशों के परिपालन में सभी राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारियों को प्रत्येक मंगलवार एवं बुधवार को अनिवार्य रूप से मुख्यालय में उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया है। प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाले समय-सीमा की बैठक अब सोमवार को आयोजित की जाएगी।

कलेक्टर क्षीरसागर ने सोमवार को आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन पोर्टल के साथ ही कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा दिए निर्देशों के अनुसार जिले के सभी राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारी मंगलवार व बुधवार को मुख्यालय में रहकर शासकीय कामकाज को संचालित करें।

कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों के कंडम वाहनों को आरटीओ के माध्यम से नीलामी कराने तथा खंडहर हो चुके शासकीय भवनों को विधिवत अनुमति प्राप्त कर तोड़वाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। शत-प्रतिशत छोटे बच्चों का जन्म प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए कहा गया। पीएम सूर्य घर नि:शुल्क बिजली योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक प्रकरण बनवाने, ई-ऑफिस के माध्यम से शासकीय कार्यों का संपादन, शेष विद्युत देयकों को मार्च तक भुगतान करने और सभी स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के लिए कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया। समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुमार कुर्रे एवं ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, जिला अधिकारी एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद थे।

पूर्व में मनरेगा योजना के अंतर्गत 100 दिवस का रोजगार दिया जाता था

वीबी जी राम जी योजना से गांव-गांव पहुंचेगा रोजगार, 125 दिन की गारंटी

विजय मत/दंतेवाड़ा

शासन की महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत जी राम जी (वीबी जी राम जी) के अंतर्गत जिला दन्तेवाड़ा के ग्राम पंचायतों में प्रतिमाह 07 तारीख को रोजगार दिवस, चावल उत्सव एवं आवास दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण जनों एवं जनप्रतिनिधियों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

पूर्व में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 100 दिवस का रोजगार दिया जाता था, जिसे अब परिवर्तित कर विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत 125 दिवस का रोजगार सुनिश्चित किया गया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि इस योजना का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक रोजगार पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को क्यूआर कोड आधारित प्रणाली की जानकारी दी गई। अब जॉब कार्ड एवं मस्टर रोल का मिलान क्यूआर कोड स्कैन कर किया जा रहा है, जिससे डेटा में हेराफेरी एवं भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सका है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों के नामों का वाचन किया गया। साथ ही आवास निर्माण हेतु प्राप्त किश्तों, मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी भुगतान, निर्माण सामग्री की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों के साथ अभिसरण (कन्वर्जेन्स) से मिलने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने हितग्राहियों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण पूर्ण करने हेतु आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया। रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को विकसित भारत जी राम जी गारंटी फॉर रोजगार एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की जानकारी दी गई। बताया गया कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों की रोजगार गारंटी उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यक्रम में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने हेतु अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों जैसे बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित निगरानी प्रणाली तथा नागरिक सहभागिता प्लेटफॉर्म की जानकारी दी गई। इन तकनीकों के माध्यम से कार्यों की निगरानी, उपस्थिति सत्यापन एवं भुगतान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त आजीविका डबरी निर्माण कार्य के संबंध में ग्रामीणों को अवगत कराया गया। डबरी निर्माण से मत्स्य पालन एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों से अपील की गई कि वे प्रत्येक माह की 07 तारीख को आयोजित होने वाले रोजगार, चावल उत्सव एवं आवास दिवस में सक्रिय रूप से भाग लें, योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं तथा ग्राम पंचायत स्तर पर चल रहे विकास कार्यों में सहभागिता सुनिश्चित करें।

अर्जुन कुच्छल ने पीएम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ ट्रॉफी जीती, 143 गोल्फर्स ने भाग लिया

कपिल देव , मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित 143 गोल्फर टूर्नामेंट में शामिल हुए

जयपुर, एजेंसी

अर्जुन कुच्छल ने यहां आयोजित श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप 2026 में ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी जीती है। इस गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित करीब 143 गोल्फर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों और हैंडीकैप कैटेगरी के विजेताओं एवं उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

टूर्नामेंट में कई क्षेत्रों से जुड़े गोल्फरों ने भाग लिया। प्रतियोगिता स्टेबलफोर्ड - सिंगल पियोरिया फॉर्मेट में खेली गई। हैंडीकैप श्रेणियों में उपविजेता के रूप में 0-9 कैटेगरी में दीप करन सिंह, 10-18 कैटेगरी में योगेंद्र सिंह, तथा 19-24 कैटेगरी में योगेंद्र गोटेवाल रहे।

वहीं हैंडीकैप श्रेणियों में विजेताओं में 0-9 कैटेगरी में हिमांशु सिंह, 10-18 कैटेगरी में देवेंद्र राजावत, तथा 19-24 कैटेगरी में अंकुर ठाकुर शामिल रहे। वेटरन गोल्फर अवॉर्ड डॉ. बसंत खेतान ने जीता जबकि लेडी गोल्फर का खिताब विम्मी भाटिया को मिला। इस अवसर पर कपिल देव ने कहा गोल्फ के प्रति इतना उत्साह और सभी प्रतिभागियों में खेल भावना देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप जैसे आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक मंच पर भी लाते हैं। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं और आने वाले वर्षों में इस टूर्नामेंट को और आगे बढ़ते देखने के लिए उत्साहित हूं।

स्कॉटलैंड टी20 विश्वकप में 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बनी

बांग्लादेश के बाहर होने के बाद शामिल हुई स्कॉटलैंड की टीम ने टी20 विश्वकप क्रि केट 2026 में एक नया रिकार्ड बना दिया। स्कॉटलैंड की टीम ने इटली के खिलाफ हुए मुकाबले में 207 रन बनाये और इसी के साथ ही वह 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बन गयी है। इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉटलैंड ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 207 रन बनाए। इसी के साथ ही स्कॉटलैंड टी20 वर्ल्ड कप में एसोसिएट टीम के तौर पर 200 या उससे अधिक रन बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमेरिकी टीम के नाम था। पिछले टी20 विश्वकप में अमेरिका ने बतौर एसोसिएट टीम कनाडा के खिलाफ सबसे अधिक 197 रन बनाए थे।
टी 20 वर्ल्ड कप में इससे पहले साल 2024 में अमेरिका ने कनाडा के खिलाफ तीन विकेट पर 197 रन बनाये थे। /3 वहीं 2024 में कनाडा ने अमेरिका के खिलाफ पांच विकेट पर 194 रन बनाये थे। वहीं 2014 में नीदरलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 193 रन बनाये थे।
मैच की बात करे तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम की शुरुआत सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स ने की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 13.5 ओवर में 126 रनों की साझेदारी हुई। जॉर्ज मुन्से ने 54 गेंदों पर 13 चौके और लगाकर 84 रन बनाये।

इटली के कप्तान मैडसेन चोटिल हुए आगे खेलने की संभावना नहीं

कोलकाता । इटली के कप्तान वेन मैडसन टी20 विश्व कप के अपने पहले ही मैच में चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। स्कॉटलैंड के ख़िलाफ़ इस मैच के चौथे ही ओवर में फ़ील्डिंग करते समय मैडसन के कंधे पर गंभीर चोट लग गयी। मैडसन उस समय मिडविकेट पर फ़ील्डिंग कर रहे थे। वह जॉर्ज मंसी के पुल शॉट को रोकने के प्रयास में गिर गये। इसके बाद उन्हें स्टेडियम से बाहर ले जाया गया। मैडसेन इटली के सबसे अनुभवी क्रिकेटर हैं। ऐसे में उनका चोटिल होना टीम के लिए करारा झटका है। वह अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। कंधे की चोट गंभीर होती है। ऐसे में उनका अब इस टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध नजर आता है।

जो बर्न्स के टूर्नामेंट के लिए चयनित नहीं होने के बाद मैडसेन को टी20 विश्व कप के लिए इटली का कप्तान बनाया गया था। इटली को इस मैच में 73 रनों से हार का भी सामना करना पड़ा है।

आईसीसी के फैसले का सम्मान करेगा बीसीसीआई: राजीव

मुम्बई,एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्वकप मैच का बहिष्कार करने के मामले में बोर्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का सम्मान करेगा। शुक्ला ने कहा है कि इस मामले में आईसीसी के जो भी फैसला लेगी। उसी का हम पालन करेगी और हमारा कोई अलग रुख नहीं होगा। शुक्ला ने कहा, मैं पहले भी स्पष्ट कर चुका हूं कि आईसीसी जो भी फैसला लेगा, बीसीसीआई उसी के अनुसार आगे बढ़ेगी। इस मामले में बोर्ड कुछ भी नहीं कहेगा। पाक ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने का विरोध करते हुए भारत के खिाफ विश्वकप मैच नहीं खेलने की बात कही है। वही पाक मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मैच की संभावनाएं हैं क्योंकि लाहौर में आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बीच इसको लेकर एक बैठक हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस मामले पर पाकिस्तान सरकार से स्पष्ट दिशा-निर्देश लेने वाला है। इसके बाद ही उसकी ओर से कोई औपचारिक घोषणा होगी। वहीं इससे पहले पाक सरकार ने कहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी।

शाल्कविक बोले, अभी हमें काफी सुधार करना होगा

मुंबई । अमेरिका के तेज गेंदबाज शैडली वैन शाल्कविक भारत के खिलाफ टी20 विश्कप के पहले ही मैच में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। शाल्कविक के अनुसार हालांकि उन्हें अभी काफी सुधार करना होगा। उनके अनुसार एसोसिएट देशों के खिलाड़ियों को शीर्ष टीमों से मुकाबले में विशेष प्रयास करने होते हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि उनकी टीम ने पहले मैच में काफी अच्छा खेला। उनकी टीम का क्षेत्ररक्षण भी इस मैच में अच्छा रहा है। शाल्कविक ने इस मैच में 25 रन देकर चार विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने कहा, एसोसिएट क्रिकेटर के तौर पर भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इसके लिए हमें काफी प्रयास करना पड़ता है।

विश्वकप में भाग लेने नहीं मैच जीतने आयी है नेपाल टीम: पौडेल

मुम्बई, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में एक या दो टीमों को हराने का प्रयास करेगी। नेपाल का पहले टी20 मैच में अंतिम ओवर में केवल चार रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से ही टीम के हौंसले बुलंद हैं। टीम दो बार के विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हराने के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम ओवर में वह जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। पोडेल के अनुसार उनकी टीम का लक्ष्य हर मैच में जीत के इरादे से उतरना रहेगा। जिस प्रकार से टीम का पहले मैच में प्रदर्शन रहा है उससे उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है।

इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में नेपाल पर बड़ी मुश्किल से केवल 4 रनों से जीत हासिल की। इस मुकाबले में उलटफेर की संभावनाएं तेज थीं पर। गेंदबाज सेम करन ने अंतिम ओवर में टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में नेपाल

की टीम छह विकेट पर 180 रन ही बना पायी।

कप्तान पौडेल ने कहा, 'खिलाड़ियों ने पहले ही मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर बहुत गर्व है। जब हम इस विश्व कप में आए थे तभी ये ठानकर आए थे कि हम यहां सिर्फ हिस्सा लेने नहीं आए बल्कि हमारा लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा।. हमने हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। अंतिम ओवर में हालांकि हम सफल नहीं रहे।.'

लोकेश बाम ने 20 गेंद में नाबाद 39 रन बनाकर टीम की उम्मीदें बनाये रखीं थीं। अंतिम ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की जरुरत थी पर वह चौका, छक्का नहीं लगा पाये। करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम केवल पांच रन ही बना पाई. लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा.

नेपाल से मिली कड़ी टक्का

इंग्लैंड केट के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा है कि टी20 विश्व कप के पहले मैच में नेपाल से मुकाबला आसान नहीं था हालांकि उनकी टीम जीत हासिल करने में सफल रही है। ब्रूक ने कहा कि जिस प्रकार से नेपाल के बल्लेबाजों ने उनके स्पिनर आदिल राशिद को आर ामक अंदाज में खेलना उससे उन्हें हैरानी हुई। इस मैच में इंग्लैंड को बड़ी मुश्किल से चार रन से जीत मिली। ब्रूक ने कहा, यह मैच कठिन था पर किस्मत से हम जीत गये। नेपाल ने काफी अच्छा खेला। बहुत कम टीमें आदिल राशिद का इस प्रकार से सामना कर पाती है जिस प्रकार से नेपाल के बल्लेबाजों ने किया। वहीं पहले मुझे लगा था हम 184 रनों का आसान से बचाव कर लेंगे पर ये गलत निकला। इंग्लैंड ने जैकब बेथेल और ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों के बाद विल जैक्स के 39 रन से सात विकेट पर 184 रन बनाए। ब्रूक ने कहा, बेथेल ने अच्छी बल्लेबाज की। वह जिस तरह से स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहा था, वह बहुत अच्छा था। फिर मैंने बस कहा कि हम दो तीन विकेट लेते हैं और सब कुछ बदल जाएगा। हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं पर राशिद के खिलाफ नेपाल ने काफी रन बनाकर दबाव बना दिया
सहायता से नेपाल ने मैच में अंत तक उलटफेर की संभावनाए बनाये रखीं।

गंभीर के घर पर भारतीय टीम के लिए हुई डिनर पार्टी , बीसीसीआई

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर रात्रि भोज पर पहुंची। गंभीर ने टीम को अपने घर पर आमंत्रित किया था। इसमें खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल हुए। गंभीर ने अपने परिवार के साथ भारतीय टीम का स्वागत किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। भारतीय टीम टी20 विश्वकप के 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दिल्ली पहुंची थी। इससे पहले टीम ने मुम्बई में हुए पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारतीय टीम के गंभीर के घर पहुंचने का एक वीडियों भी आया है। इसमें गंभीर और उनकी पत्नी टीम का स्वागत करते हुए दिख रहे हैं। इससे लावा बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी गंभीर के घर पहुंचे। टीम का स्वागत करते हुए गंभीर और उनकी पत्नी नताशा व बच्चे बेहद खुश दिखे। इस पार्टी में कई प्रकार के व्यंजन और मीठे पकवान परोसे गए। इंडियन तंदूर के साथ ही चाइनीज और कांटिनेंटल इटालियन खाना भी परोसा गया।

भारतीय खिलाड़ी बस से गौतम गंभीर के घर पहुंचे थे। सभी खिलाड़ी एकदम कैजुअल ड्रेस में दिखे। शुभमन गिल सफेद टीशर्ट और काला चश्मा पहने दिखे। केएल राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा और अन्य भारतीय क्रिकेटरों समेत कोच रायन टेन डोइशे और मोर्ने मोर्केल भी इस डिनर पार्टी में मौजूद रहे। वहीं गंभीर इस दौरान भारतीय टीम की जर्सी पहने दिखे । भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप का की शुरुआत जीत से की है।

व्यापार

सेंसेक्स 485 अंक चढ़कर 84,066 पर बंद निफ्टी में 174 अंक की बढ़त रही

मुंबई ,एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुए । सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये साझा बयान से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक उछलकर 25,867.30 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक, रियल्टी, इंडिया डिफेंस, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर के साथ करीब सभी शेयर लाभ के साथ ही उछलकर बंद हुए। सेंसेक्स पैक के शेयरों में एसबीआई, टाइटन, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, इंडिगो, एमएंडएम, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, आईटीसी, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये बयान से भी बाजार में उत्साह का माहौल है जिससे भी घरेलू बाजार उछला। भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के 50 प्रतिशत से कम होकर 18 फीसदी होने से भी निवेशकों ने जमकर खरीदारी की । आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 938.45 अंक बढ़कर 60,441.15 है।

शेयर बाजार में चुनिंदा स्टॉक्स दे रहे ब्रेकआउट

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कुछ चुनिंदा स्टॉक्स निवेशकों के लिए बड़ा अवसर बनकर उभर सकते हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार मौजूदा चार्ट पैटर्न और वॉल्यूम मूवमेंट साफ संकेत दे रहे हैं कि ये शेयर अगली तेजी के लिए तैयार हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि श्नाइडर इले?क्ट्रिक इंफ्रास्ट्र शेयर निचले स्तरों से जबरदस्त वापसी कर चुके हैं। गिरते ट्रेंड को तोड़ते हुए शेयर ने ब्रेकआउट दिया है और सभी महत्वपूर्ण मूविंग एवरेज के ऊपर मजबूती से टिक गया है। निवेशक गिरावट पर सक्रि य खरीदारी कर रहे हैं। विशेषज्ञ का सुझाव है कि इस शेयर को 769 रुपये के आसपास खरीदा जा सकता है, स्टॉप लॉस 725 रुपये रखा जाए, और लक्ष्य 850 रुपये तय किया गया है। सी?नियर फार्मास्यु?टिकल्स लंबे समय से मजबूत अपट्रेंड में है और लगातार ऊंचे स्तर बना रहा है। फिलहाल का ठहराव कमजोरी नहीं बल्कि अगली बड़ी चाल की तैयारी माना जा रहा है।

पंजाब नेशनल बैंक ने बढ़ाया रिटर्न

मुंबई । हाल ही में रिजर्व बैंक की ब्याज दरों में कमी के बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) दरों को अपडेट किया है। बैंक अब 7 दिन से लेकर 10 साल तक की एफडी सुविधा देता है। ब्याज दरें फिलहाल 3 फीसदी से शुरू होकर 7.2 फीसदी तक हैं। लंबी अवधि के निवेश के लिए 5 साल वाली एफडी उपयुक्त मानी जा रही है। आम नागरिकों को 6.10 फीसदी की दर पर 2 लाख निवेश करने पर मैच्योरिटी पर 2,70,701 रुपए मिलेंगे। यानी 70,701 रुपए का मुनाफा। 60 साल और उससे ऊपर की उम्र वाले वरिष्ठ नागरिकों को 6.60 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। इसके तहत 2 लाख रुपए की राशि 5 साल बाद 2,77,445 रुपए तक बढ़ जाएगी, जो 77,445 रुपए का शुद्ध मुनाफा है। 390 दिन वाली स्पेशल एफडी में अति वरिष्ठ नागरिकों को 7.20 फीसदी तक का रिटर्न मिलता है।

भारत की जीडीपी वृद्धि 2026-27 में 6.4 फीसदी रहने का अनुमान, मूडीज

- बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अनुमान लगाया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में 6.4 फीसदी होगी। एजेंसी ने कहा कि मजबूत घरेलू खपत, नीतिगत उपाय और स्थिर बैंकिंग प्रणाली के कारण भारत जी-20 देशों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज करेगा। यह अनुमान वित्त मंत्रालय की 6.8ङ्क7.2 फीसदी की सीमा से थोड़ा कम है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 6.5 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने अपनी बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी। हालांकि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) में कुछ दबाव देखने को मिल सकता है। बैंकों के पास ऋण नुकसान झेलने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। समूची बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि ??वित्त वर्ष 2026-27 में 11-13 फीसदी रहने की संभावना है, जो ?वित्तीय वर्ष 2025-26 की 10.6 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी का युक्तिकरण और व्यक्तिगत आयकर सीमा बढ़ाने से उपभोक्ताओं की वहन क्षमता बढ़ेगी, जिससे खपत आधारित वृद्धि को मजबूती मिलेगी। मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने और वृद्धि की गति मजबूत रहने के कारण, मूडीज ने अनुमान जताया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ?वित्तीरु 2026-27 में केवल तभी नीतिगत दर में ढील देगा जब आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती आएगी। वर्तमान में आरबीआई की नीतिगत दर 5.25 फीसदी है।

सतीश मोरे/09फरवरी

वेलोसिटी एआई-आधारित 'शिपिंग' मंच के ?लिए 100 करोड़ का करेगी निवेश

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स मंच वेलोसिटी अगले दो वर्षों में अपने लॉजिस्टिक्स कारोबार वेलोसिटी शिपिंग के विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करेगा। यह निवेश पूरी तरह कंपनी के आंतरिक नकद भंडार और मुख्य कारोबार से होने वाली आय से किया जाएगा। वेलोसिटी शिपिंग ने 2025 में शुरुआत के बाद से 900 से अधिक ब्रांड जोड़ लिए हैं। मासिक आधार पर ऑर्डर की मात्रा में 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है और यह वेलोसिटी की कुल आय का लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है। कंपनी का कहना है कि यह निवेश रणनीतिक नियुक्तियों, उत्पाद विकास और लॉजिस्टिक्स मूल्य श्रृंखला में एआई-आधारित नवाचार पर केंद्रित होगा। वेलोसिटी ने अपनी शिपिंग टीम दोगुना करने की योजना बनाई है और वरिष्ठ स्तर पर भी नियुक्तियां की हैं। वेलोसिटी शिपिंग कई तृतीय-पक्ष लॉजिस्टिक्स भागीदारों जैसे डेल्हीवरी, एकार्ट, अमेज़न, ब्लू एक्सप्रेसबीज के साथ काम करती है। यह देशभर में 19,000 से अधिक पिनकोड क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करती है। वेलोसिटी के एक प्रमुख अधिकारी का कहना है कि कंपनी की शुरुआत डिजिटल-प्रथम ब्रांडों के लिए पूंजी और लॉजिस्टिक्स है।

अमेरिकी एफपीआई की हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद भारतीय बाजार में अमेरिकी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की हिस्सेदारी बढ़ी है। एक अखबार द्वारा डिपॉजिटरी आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार जनवरी 2025 में कुल विदेशी शेयरधारिता में अमेरिकी एफपीआई की हिस्सेदारी 39.7 प्रतिशत थी, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब एफपीआई ने डेट है।

बाजार निवेश की न्यूनतम राशि 1,000 रुपए और अधिकतम 30 लाख रुपए

पर्पल फाइनेंस इक्विटी वारंट से जुटाएगी 69.30 करोड़ रुपए

नई दिल्ली,एजेंसी

हर व्यक्ति अपनी कमाई का कुछ हिस्सा सुरक्षित और लाभकारी निवेश में लगाना चाहता है। पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएं इस दृष्टि से खास हैं। इनमें से सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस) रिटायर हुए व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है, जो रिटायरमेंट के बाद नियमित आय सुनिश्चित करती है। इस योजना में निवेश के लिए पात्रता आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है। वहीं वीआरएस लेने वाले कर्मचारी 55 से 60 वर्ष के बीच निवेश कर सकते हैं और डिफेंस सेवा से रिटायर हुए 50ङ्क60 वर्ष के लोग भी इसका लाभ उठा सकते हैं। निवेश की न्यूनतम राशि 1,000 रुपए और अधिकतम 30 लाख रुपए है। सरकार इस योजना पर 8.2 फीसदी की आकर्षक ब्याज दर देती है, जो सामान्य बैंक एफडी से अधिक है। निवेश पर ब्याज तिमाही आधार पर दिया जाता है। उदाहरण के लिए 25 लाख रुपए निवेश पर तिमाही ब्याज 51,250 मिलेगा, यानी सालाना 2,05,000 रुपए और मासिक लगभग 17,083 रुपए। इस योजना का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का है। इस दौरान ब्याज नियमित मिलता रहता है और मैच्योरिटी पर मूल राशि वापस मिलती है।

इसके अलावा निवेश पर आयकर की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपए तक टैक्स छूट भी मिलती है, जिससे निवेश और अधिक लाभकारी बन जाता है। यह योजना सरकार द्वारा समर्थित होने के कारण पूरी तरह सुरक्षित है। मृत्यु की स्थिति में नॉमिनी को पूरी राशि दी जाती है। इस तरह, पोस्ट ऑफिस एससीएसएस योजना रिटायरमेंट के बाद वित्तीय स्थिरता और भरोसेमंद मासिक आय का सुनिश्चित साधन है।

सार समाचार

चैतन्य को मिली जमानत को छत्तीसगढ़ सरकार ने दी चुनौती

विजय मत/ नई दिल्ली/रायपुर। चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले के मामलों में मिली जमानत को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ सरकार की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह एक सप्ताह बाद इस मामले में सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को छत्तीसगढ़ की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने बताया कि चैतन्य बघेल को जमानत मिलने के बाद मामले के महत्वपूर्ण गवाहों में से एक सामने नहीं आ रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक संबंधित धन शोधन मामले में चैतन्य बघेल की जमानत को अलग से चुनौती दी है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई एक सप्ताह बाद करेगी।

सुको ने सौम्या चौरसिया को जमानत के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का रुख करने कहा

विजय मत/ नई दिल्ली/रायपुर। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव सौम्या चौरसिया द्वारा दायर एक अलग याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें जमानत के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा। उल्लेखनीय हैं कि शराब घोटाले के सिलसिले में पिछले साल दिसंबर में ईडी द्वारा उन्हें गिरफ्तार किया गया था। चौरसिया की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश महोदय के सामने दलील दी कि उच्चतम न्यायालय ने पहले भी चौरसिया को कुछ अन्य मामलों में जमानत दी थी जिनमें उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने फिर से एक नयी प्राथमिकी दर्ज की और उन्हें दिसंबर में गिरफ्तार कर लिया। यह छठी बार है जब चौरसिया को गिरफ्तार किया गया है। पीठ ने चौरसिया को जमानत के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का रुख करने को कहते हुए एक सप्ताह के भीतर उच्च न्यायालय में अपनी याचिका दायर कर सकती है और उच्च न्यायालय प्राथमिकता के आधार पर उनकी याचिका पर सुनवाई कर दो सप्ताह के भीतर फैसला सुना सकता है। पीठ को यह भी बताया गया कि चौरसिया को दो जनवरी को एक अलग मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) द्वारा गिरफ्तार किया गया था। न्यायालय ने कहा कि वह उस मामले में भी जमानत के लिए उच्च न्यायालय का रुख कर सकती हैं।

साल्हेवारा परिक्षेत्र के 36 गाँवों में नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से वन अग्नि रोकथाम के लिए जनजागरूकता अभियान

विजय मत/रायपुर

वन अग्नि (दावानल) जंगलों के लिए एक गंभीर समस्या है। आग लगने से केवल सूखी पत्तियाँ ही नहीं जलतीं, बल्कि बीज, छोटे पौधे, झाड़ियाँ, घास और मिट्टी में मौजूद पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं। इससे जंगलों का प्राकृतिक पुनरुत्पादन प्रभावित होता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पत्तियों और सूखी लकड़ियों के सड़ने-गलने से बनने वाले फंगस और बैक्टीरिया मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, जो आग लगने पर नष्ट हो जाते हैं। वन अग्नि से मिट्टी की ऊपरी परत कठोर हो जाती है, जिससे वर्षा का पानी जमीन में नहीं समा पाता और जल स्तर में कमी आती है। औषधीय पौधों के नष्ट होने से वनांचल में रहने वाले लोगों की

आजीविका भी प्रभावित होती है। आग के कारण वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, वे भटक जाते हैं और मानव-वन्यप्राणी संघर्ष की स्थिति बन सकती है। साथ ही पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और जैव विविधता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इन दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुए वनमंडल अधिकारी, खैरागढ़ द्वारा वन अग्नि की रोकथाम एवं प्रबंधन के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वन क्षेत्रों में फायर लाइन की कटाई-सफाई, फायर वाचर्स की नियुक्ति तथा आग की सूचना मिलते ही तत्काल नियंत्रण की व्यवस्था हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी की जा रही है। बेहतर प्रबंधन के लिए वनमंडल कार्यालय खैरागढ़ में फॉरेस्ट फायर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

वन अग्नि की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर +91-9301321797 पर देने की अपील आम नागरिकों से की गई है। इसके साथ ही महुआ वृक्षों की ब्लेजिंग कर कंट्रोल बर्निंग, गाँवों में मुनादी, दीवार लेखन, पोस्टर चस्पा करना, स्कूलों में वाद-विवाद, निबंध, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिताएँ तथा सरपंच एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति अध्यक्षों को पोस्टकार्ड के माध्यम से अपील जैसी नवाचारी पहल भी की जा रही है। जनजागरूकता के तहत 03 फरवरी 2026 से खैरागढ़, छुईखदान, गंडई एवं साल्हेवारा परिक्षेत्र के 36 गाँवों में नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आम नागरिकों से अपील

वन क्षेत्रों में फायर लाइन की कटाई-सफाई, फायर वाचर्स की नियुक्ति तथा आग की सूचना मिलते ही तत्काल नियंत्रण की व्यवस्था हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी की जा रही है। बेहतर प्रबंधन के लिए वनमंडल कार्यालय खैरागढ़ में फॉरेस्ट फायर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। वन अग्नि की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर +91-9301321797 पर देने की अपील आम नागरिकों से की गई है। इसके साथ ही महुआ वृक्षों की ब्लेजिंग कर कंट्रोल बर्निंग, गाँवों में मुनादी, दीवार लेखन, पोस्टर चस्पा करना, स्कूलों में वाद-विवाद, निबंध, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिताएँ तथा सरपंच एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति अध्यक्षों को पोस्टकार्ड के माध्यम से अपील जैसी नवाचारी पहल भी की जा रही है। अंचल के प्रसिद्ध कलाकारों की टीम 'झंकार कला मंच' पैलीमेटा द्वारा अग्नि सुरक्षा पर आधारित झांकी और प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है।

नवनिर्मित सामुदायिक भवन का कैबिनेट मंत्री और महापौर ने फीता काटकर किया लोकार्पण

उद्योग मंत्री ने मथुरा माली मरार पटेल समाज को दी 10 लाख के सामुदायिक भवन की सौगात

- विष्णुदेव सरकार सभी समाज के साथ खड़ी है और उनके उत्थान और विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है

विजय मत/रायपुर

कोरबा नगर विधायक और छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने रविवार को मुड़ापार, हेलीपेड में मथुरा माली मरार पटेल समाज को 10 लाख की लागत से बने सर्व सुविधायुक्त सामुदायिक भवन की सौगात दी।

कार्यक्रम में मंत्री लखन लाल देवांगन और महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने समाज के पदाधिकारियों के साथ मां शाकम्भरी देवी की पूजा अर्चना कर प्रदेश और शहर की खुशहाली की कामना की।नवनिर्मित सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि सभी समाज की आर्थिक उत्थान और प्रगति के लिए छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार सभी समाज के साथ खड़ी है और उनके उत्थान और विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। कोरबा विधानसभा में भी सभी समाज की

माली मरार पटेल समाज के समाज के सभी प्रमुख जनों को बधाई और शुभकामनाएं दी

मंत्री देवांगन ने कहा कि मथुरा माली मरार पटेल समाज का आशीर्वाद मुझे सदैव मिलता रहा है, समाज की सेवा करने का मुझे यह सौभाग्य मिला है। समाज की मांग पर प्रभारी मंत्री मद से 10 लाख की लागत से भवन का निर्माण कराया गया है, आज भवन समाज को समर्पित किया जा रहा है। इसी के साथ-साथ वार्ड क्रमांक 55 सुमेधा नागिन भाटा में समाज के लिए सामुदायिक भवन हेतु 10 लाख की स्वीकृति दी गई है, जल्द ही भवन पूर्ण हो जाएगा। मथुरा माली मरार पटेल समाज के समाज के सभी प्रमुख जनों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि पटेल समाज एक संगठित और सशक्त समाज है।

मांग अनुरूप विकास कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। मंत्री देवांगन ने कहा कि मथुरा माली मरार पटेल समाज का आशीर्वाद मुझे सदैव मिलता रहा है, समाज की सेवा करने का मुझे यह सौभाग्य मिला है। समाज की मांग पर प्रभारी मंत्री मद से 10 लाख की लागत से भवन का निर्माण कराया गया है, आज भवन समाज को समर्पित किया जा रहा है। इसी के साथ-साथ वार्ड क्रमांक 55 सुमेधा नागिन भाटा में समाज के लिए सामुदायिक भवन हेतु 10 लाख की स्वीकृति दी गई है, जल्द ही भवन पूर्ण हो जाएगा।

मथुरा माली मरार पटेल समाज के समाज के सभी प्रमुख जनों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि पटेल समाज एक संगठित और सशक्त समाज है। समाज एक सशक्त और संगठित समाज की अवधारणा को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहा है। पटेल समाज एक मेहनतकश समाज है। कड़ी मेहनत कर धरती को हरा भरा बनाने का कार्य मरार समाज करता है। उन्होंने कहा कि समाज आज खेती किसानी, सब्जी-भाजी के उत्पादन के साथ- साथ हर क्षेत्र में काफी आगे है।

इस अवसर पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, एमआइसी सदस्य धन कुमारी गर्ग, पार्षद ईश्वर पटेल, पार्षद नरेंद्र देवांगन, पार्षद मुकुंद कंवर, कोरबा मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, रामकृष्ण साहू, स्मिता सिंह, पूर्णिमा पासवान, नवनीत शुक्ला, सुकेश दलाल, संगीता साहू, अनुज यादव व समाज के प्रमुख, वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत ने कहा कि कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन की नेतृत्व में कोरबा शहर विकास के नए आयाम गढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में कल प्रदेश के विभिन्न जिलों में 6,412 जोड़ो का होगा विवाह

- साइंस कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कल 10 फरवरी को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत राज्य स्तरीय विवाह कार्यक्रम से प्रदेशभर के 6 हजार 412 से अधिक जोड़े विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह में बंधने वाले नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगे। मुख्यमंत्री साय स्थानीय साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का भी शुभारंभ करेंगे। अभियान के प्रथम चरण में 6 माह से 52 माह आयु वर्ग के 40 हजार कुपोषित बच्चों को कवर किया जाएगा। इस अभियान की शुरूआत बस्तर संभाग से होगी, जिसमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर एवं सुकमा जिले शामिल हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव, श्री विजय शर्मा, केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

मुख्य कार्यक्रम राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में प्रातः 11 बजे से 1,316 जोड़ों का विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न होगा। इन विवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 35 हजार रूपए उनके बैंक खातें में सहायता राशि और 15 हजार रूपए की राशि के उपहार सामग्री तथा विवाह के आयोजन में खर्च की जाएगी।

'प्रोजेक्ट धड़कन' के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच

विजय मत/रायपुर

मुख्यमंत्री साय के निदेर्शानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना 'प्रोजेक्ट धड़कन' के अंतर्गत जिले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज आरंग टीम बी द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बनारसी में 177 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा 131 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा

बंधवापारा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 एवं 2 में 106 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम डी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 8 एवं 13 भनपुरी में 148 बच्चों की स्क्रीनिंग, अभनपुर टीम बी द्वारा मिडिल स्कूल गोंडपारा में 113 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा सेजेस आर.डी तिवारी में 153 बच्चों की स्क्रीनिंग पूरे जिले में आज कुल 828 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

सुबह-शाम को मरीन ड्राईव भ्रमण करने वाले लोगों को नगर निगम ने दी पूर्ण राहत

- किसी प्रकार का पार्किंग शुल्क नहीं लिया जायेगा

विजय मत/रायपुर

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू ने राजस्व विभाग अध्यक्ष श्री अवतार सिंह बागल, जलकार्य विभाग अध्यक्ष श्री संतोष सीमा साहू और शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड क्रमांक 33 के पार्षद प्रदीप वर्मा सहित राजधानी शहर रायपुर में जीई रोड में तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राईव वाहन पार्किंग स्थल

का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर दोपहिया और चार पहिया वाहन पार्किंग हेतु स्थान चिन्हांकित किया गया। महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम राजस्व विभाग बाजार विभाग द्वारा तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राईव में सुबह एवं शाम को भ्रमण करने वाले नागरिकों से किसी प्रकार का पार्किंग शुल्क नहीं लिया जायेगा।

उक्त वाहन पार्किंग स्थल में भ्रमण करने वाले नागरिको को पूर्ण राहत दी है. सुबह और शाम को तेलीबाँधा मरीन ड्राइव में भ्रमण करने वाले नागरिकों से किसी प्रकार का पार्किंग शुल्क नहीं लिया जायेगा। सुबह और शाम को भ्रमण करने वाले नागरिको को छोड़कर शेष समस्त दोपहिया व चार पहिया वाहनो से चिन्हांकित कर स्थान पर पार्किंग शुल्क निर्धारित अनुसार दिनांक 10 फरवरी 2026 से लिया जायेगा।

पुलिस उपायुक्त, कमिश्नरेट रायपुर द्वारा रायपुर के समस्त होटल, बार, क्लब, ढाबा एवं रेस्टोरेंट संचालकों की बैठक आयोजित

विजय मत/जगदलपुर

दिनांक को सिविल लाईन स्थित सी-4 भवन के सभाकक्ष में पुलिस उपायुक्त (क्राईम एवं साईबर), कमिश्नरेट रायपुर द्वारा रायपुर के समस्त होटल, बार, क्लब, ढाबा एवं रेस्टोरेंट संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य शहर में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करना, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा होटल एवं रेस्टोरेंट व्यवसाय से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करना रहा।

बैठक में अति. पुलिस उपायुक्त श्री गौरव मंडल एवं श्री अनुज कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त श्री संजय सिंह, निरीक्षक श्री सचिन सिंह, उप निरीक्षक श्री अतुलेश राय सहित होटल, बार, क्लब, ढाबा एवं रेस्टोरेंट के 300 से अधिक संचालक उपस्थित रहे।

होटल संचालकों द्वारा रखी गई विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना गया, जिनका यथासंभव तत्काल निराकरण किया गया तथा शेष विषयों पर नियमानुसार कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

राजिम कुंभ कल्प मेला

व्यवस्थाओं को लेकर भाजपा विधायक का गुस्सा कैमरे के सामने फूटा

विजय मत/भिलाई

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के राजिम कुंभ कल्प मेले में अव्यवस्थाओं को देखकर राजिम विधायक रोहित साहू अधिकारियों पर भड़क गए। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। यह पूरा मामला राजिम कुंभ में परफॉर्म करने आए कलाकारों के खाने और पीने के पानी की व्यवस्था से जुड़ा था। इस दौरान विधायक ने अधिकारियों को कहा कि वह सरकार की इमेज की धनिया बो रहे हैं। सरकार की बेइज्जती हो

रही है।

इस दौरान सामने मौजूद अधिकारी अगल-बगल झाकते दिखें। विधायक ने आयोजन में लापरवाही को गंभीर मानते हुए उन्होंने जिला प्रशासन और इवेंट कंपनी को सख्त चेतावनी दी। विधायक ने कहा कि अधिकारी हों या इवेंट कंपनी, सरकार की छवि धूमिल करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल, एक दिन पहले पत्रकारों और आम नागरिकों द्वारा इवेंट कंपनी पर मनमानी, अनावश्यक रोक-टोक और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए गए थे। इन शिकायतों को लेकर विधायक रोहित साहू से मुलाकात की गई थी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल जिला प्रशासन और इवेंट कंपनी को व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए थे।

इसके बावजूद अगले ही दिन अव्यवस्था का एक और गंभीर मामला सामने आया।

सरकार की छवि धूमिल करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

विधायक ने कहा कि अधिकारी हों या इवेंट कंपनी, सरकार की छवि धूमिल करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल, एक दिन पहले पत्रकारों और आम नागरिकों द्वारा इवेंट कंपनी पर मनमानी, अनावश्यक रोक-टोक और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए गए थे। इन शिकायतों को लेकर विधायक रोहित साहू से मुलाकात की गई थी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल जिला प्रशासन और इवेंट कंपनी को व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए थे।

एलोवेरा आधारित पर्सनल केयर उत्पादों से पहचान बना रहा दुगली का वन धन विकास केंद्र

विजय मत/भिलाई

प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन के अंतर्गत जिला धमतरी के ग्राम दुगली में स्थापित वन- धन विकास केंद्र आज महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का सफल उदाहरण बन गया है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के मार्गदर्शन में संचालित यह केंद्र वनोपज के मूल्य संवर्धन के माध्यम से आदिवासी महिलाओं को रोजगार और सम्मानजनक आय प्रदान कर रहा है।

25 विभिन्न प्रकार के औषधीय और खाद्य उत्पाद तैयार

दुगली वन धन विकास केंद्र के स्व-सहायता समूहों के संघ के रूप में कार्य कर रहा है। एक प्रमुख समूह संचालन की जिम्मेदारी संभालता है, जबकि अन्य समूह आवश्यकता और ऑर्डर के अनुसार उत्पादन कार्य में सहयोग करते हैं। केंद्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिला है। केंद्र में वर्तमान में लगभग 25 विभिन्न प्रकार के औषधीय और खाद्य उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें हर्बल पाउडर, स्वास्थ्य पेय और अन्य हर्बल उत्पाद शामिल हैं। सभी उत्पाद गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बनाए जाते हैं ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। **संपादक**- सीता शुक्ला। **प्रधान संपादक**- विजय शुक्ला ।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997